सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 239 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 6 अक्टूबर, 2023

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

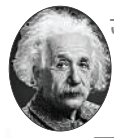

जब आप एक लड़की के साथ बैठे हों तो एक घंटा एक सेकेंड के समान लगता है। जब आप धधकते अंगारे पर बैठे हों तो एक सेकंड एक घंटे के समान लगता है। यही सापेक्षता है।

-अल्बर्ट आइंस्टीन

भारतीय क्रिकेट टीम फाइनल... 7 | यूपी में दलित वोटों को साधने की... 3 | देश की सौ करोड़ जनता भाजपा... 2

पोस्टरवार में घिर गई भाजपा कांग्रेस का चौतरफा प्रहार

पोस्टर में राहुल के गलत चित्रण पर बिफरीं बहन प्रियंका

» बोलीं- पीएम वादों की तरह कसमें भी भूल गए

» राजस्थान के पोस्टर में लगे किसान ने भी भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विधान सभा व लोक सभा चुनाव से पहले देश की दोनों प्रमुख पार्टियों के बीच वार-पलटवार जारी है। अब भाजपा-कांग्रेस के बीच सोशल मीडिया पर जारी पोस्टर वार दिन-प्रतिदिन तेज होता जा रहा है। इसको लेकर सियासत भी गरमा गई है। दरअसल, केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा ने एक्स पर राहुल गांधी का पोस्टर साझा किया, जिसमें उन्हें नए युग का रावण दिखाया गया है। अपने भाई की बचाव में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा उतर आई हैं।

वह जमकर भाजपा पर भड़कीं और कहा कि क्या नरेंद्र मोदी अपने वादों की तरह कसमें भी भूल गए हैं। वहीं भाजपा ने भी कांग्रेस पर मोदी के खिलाफ जुमला ब्वाय का पोस्टर जारी करके पर हमला बोला है। वहीं एक पोस्टर पर राजस्थान में बवाल मचा हुआ है। उस पोस्टर को भाजपा ने जारी किया है उसमें एक किसान की तस्वीर लगी जिसे गहलोत सरकार से परेशान बताया गया है जबकि उन किसान ने इन बातों को खारिज कर दिया है।

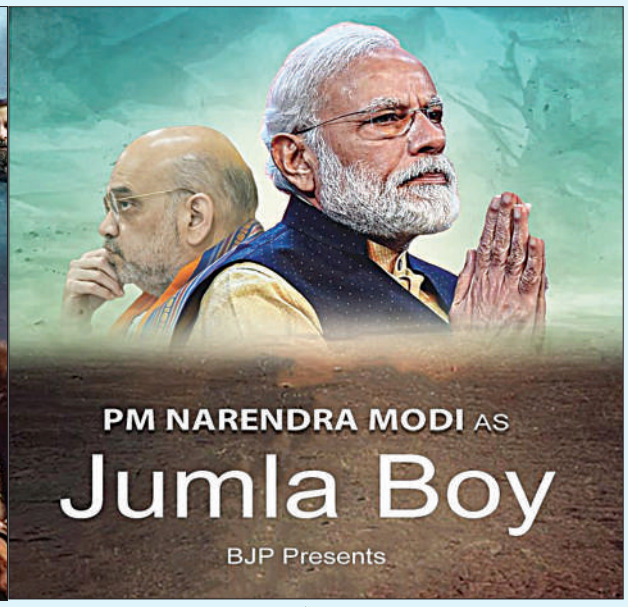

कितना नीचे गिरेंगे मोदी और नड्डा : प्रियंका

वाड्रा ने सोशल मीडिया एक्स पर हिंदी में ट्वीट कर निशाना साधा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जेपी नड्डा से पूछा कि वह राजनीति को गिरावट की कौन-सी मंजिल तक ले जाना चाहते हैं? उन्होंने लिखा, 'नरेंद्र मोदी जी और जेपी नड्डा जी! आप राजनीति और बहस-मुबाहसे को गिरावट की कौन-सी मंजिल तक ले जाना चाहते हैं? आपकी पार्टी के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से जो हिंसक और उकसाऊ ट्वीट किए जा रहे हैं, क्या उसमें आपकी सहमति है ? ज्यादा समय नहीं बीता, आपने शुचिता की कसम खाई थी। क्या वादों की तरह कसमें भी भूल गए हैं ?'

राहुल की करना चाहते हैं हत्या : वेणुगोपाल

कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने भाजपा द्वारा पोस्ट किए गए राहुल गांधी के ग्राफिक को शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी की तुलना रावण से करने वाले भाजपा के हैंडल पर शर्मनाक ग्राफिक की निंदा करने के लिए कोई शब्द नहीं है। उनके नापाक इरादे साफ हैं, वो लोग उनकी हत्या करना चाहते हैं। उन्होंने तुच्छ राजनीतिक लाभ लेने के लिए उनकी एसपीजी सुरक्षा वापस ले ली। उन्होंने कहा कि यह उसके पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ हिंसा भड़काने की कोशिश की जा रही है।

बीजेपी मुझे बेवजह बदनाम कर रही : जयपाल

जैसलमेर। विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा की ओर से नहीं सहेगा राजस्थान अभियान चलाया जा रहा है। कुछ दिनों पहले अभियान में भाजपा ने किसानों से जुड़ा एक पोस्टर जारी किया था। पोस्टर पर लिखा था 19 हजार से अधिक किसानों की जमीनें नीलाम, नहीं सहेगा राजस्थान

इस पोस्टर पर एक किसान का फोटो भी लगा है। उसी किसान ने दावा किया है कि बिना इजाजत उसका फोटो इस्तेमाल किया गया है। किसान का ये भी कहना है कि उस पर न तो कोई कर्जा है और न ही उसकी जमीन नीलाम हुई है। वह 200 बीघा जमीन का मालिक है। जयपाल ने कहा कि बीजेपी मुझे बेवजह बदनाम करने में लगी है।

बिहार सरकार को सुप्रीम राहत

» जातीय गणना के डेटा प्रकाशित करने पर रोक लगाने से इनकार

» जनवरी में होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना/दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बिहार सरकार की ओर से कराई गई जातिगत गणना से संबंधित याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि हम किसी राज्य सरकार को नीति बनाने या काम करने से नहीं रोक सकते। सिर्फ उसकी समीक्षा कर सकते हैं।

अब इस मामले में अगली सुनवाई जनवरी 2024 में होगी।

बिहार जातीय गणना से संबंधित याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सरकार की ओर से कराई गई जातीय गणना का डेटा प्रकाशित करने पर रोक लगाने से साफ इनकार कर दिया। जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि हम किसी राज्य सरकार को नीति बनाने या काम करने से नहीं रोक सकते। सुनवाई के दौरान सिर्फ उसकी समीक्षा कर सकते हैं। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट के 1 अगस्त, 2023 के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर नीतीश-तेजस्वी सरकार को नोटिस जारी किया है।

संजय सिंह के दो करीबियों को ईडी का समन

» कोर्ट ने आप सांसद को भेजा पांच दिन की रिमांड पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने संजय सिंह के करीबियों को समन जारी किया है। क्योंकि संजय सिंह को कोर्ट ने पांच दिनों की रिमांड पर भेजा है। ऐसे में ईडी को इस मामले में सबूत जुटाने हैं। इसलिए संजय सिंह के करीबी सर्वेश मिश्रा और विवेक त्यागी को तलब किया गया है। ताकी आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की जा सके। खबर के मुताबिक, संजय सिंह ने सर्वेश को एक करोड़ रुपये दिए थे।

गिरफ्तार राज्यसभा सांसद संजय सिंह को 10 अक्टूबर तक के प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में भेज दिया गया। मामले में ईडी ने 10 दिन के हिरासत की मांग की थी। हालांकि, अदालत ने सुनवाई के दौरान

ईडी के समक्ष कई सवाल उठाए। राउज एवन्यू कोर्ट में विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल के समक्ष संजय सिंह को कड़ी सुरक्षा में पेश किया गया। ईडी ने संजय सिंह का 10 दिन का रिमांड मांगते हुए कहा कि वह मामले में पूरी तरह से लिप्त हैं। गवाह दिनेश अरोड़ा, संजय सिंह के करीबी हैं। ईडी ने मामले में 239 स्थानों पर छापा मारा है। आरोप है कि संजय के घर दो बार में दो करोड़ का लेनदेन हुआ। संजय के कर्मचारी सर्वेश ने पैसे लिए हैं। संजय सिंह के फोन से डेटा मिला है।

वकील बोले- कोई साक्ष्य नहीं मामला राजनीतिक

संजय सिंह के वकील मोहित माथुर ने रिमांड का विरोध करते हुए कहा कि ईडी के पास एक भी सबूत नहीं है। उन्होंने इसे राजनीतिक मामला बताया। मोहित ने कहा कि एक साल से जांच जारी होने के बावजूद अदालत के समक्ष कोई साक्ष्य नहीं रखा गया। एकमात्र गवाह दिनेश अरोड़ा के बयान को आधार बनाकर उनके मुवक्किल को फर्जी मामले में फंसाया गया है। अरोड़ा को पहले सीबीआई और ईडी ने गिरफ्तार किया था। वह अचानक गवाह बन गया। उसके बयान पर कैसे भरोसा किया जा सकता है।

देश की सौ करोड़ जनता भाजपा के खिलाफ : अखिलेश

बोले- ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स भाजपाई संगठन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा व मोदी सरकार जनता के आक्रोश से डरी हुई हैं इसलिए जो भी उनके गलत नीतियों के खिलाफ बोल रहा है उसको छापेमारी कर के जेल में डाला जा रही है। सपा प्रमुख ने आप सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी पर कहा कि देश की सौ करोड़ जनता भाजपा के खिलाफ है। भाजपा डरी हुई है इसीलिए विपक्षी नेताओं को फर्जी केसों में फंसा रही है।

भाजपा जिससे घबराती है, उसे झूठे मामले में फंसा कर गिरफ्तार करती है। ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स तथा अन्य सरकारी संस्थाएं भाजपा के प्रकोष्ठ हैं और उनके संगठन का हिस्सा हैं। पहले पत्रकारों के घरों पर छापेमारी की गई और और अब आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह के घर छापेमारी और गिरफ्तारी हुई। यह सब भाजपा के कहने पर हो रहा है। प्रतापगढ़ में समाजवादी प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने पहुंचे अखिलेश यादव ने कहा कि सपा कार्यकर्ता पार्टी के विचारों और कार्यक्रमों को लेकर गांव-गांव, घर-घर जाएंगे और भाजपा को हराने का संकल्प लेंगे। उन्होंने कहा कि देश की जनता महंगाई, बेरोजगारी से त्रस्त है। इंडिया गठबंधन इस बार लोकसभा चुनाव में पीडीए के साथ मिलकर भाजपा को हराएगा। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि सड़कों में गड्ढे ही गड्ढे हैं। गड्ढामुक्त के नाम पर आवंटित बजट भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। लाखों करोड़ के एमओयू का दावा किया गया लेकिन कहीं पर भी कोई फैक्ट्री नहीं लगी। किसानों के धान खरीद की कोई तैयारी नहीं है। लोग सरकारी अस्पतालों में जाने से डरते हैं।

अबू आजमी की बेनामी संपत्तियों की तलाश में छापेमारी जारी

महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अबू आजमी की बेनामी संपत्तियों की तलाश में आयकर विभाग ने तीन शहरों में उनके करीबियों के ठिकानों पर छापा मारा है। आयकर विभाग, लखनऊ की बेनामी विंग के अधिकारियों की टीम ने उनके करीबियों के मुंबई, वाराणसी और लखनऊ स्थित ठिकानों पर बेनामी संपत्तियों से जुड़े तमाम दस्तावेजों को बरामद किया है। सूत्रों के मुताबिक छापे की कार्रवाई शुक्रवार को भी जारी रही। दरअसल, आयकर विभाग ने बीते वर्ष नवंबर माह में अबू आजमी और उनके करीबियों के देश भर में 30 ठिकानों पर छापा मारा था। इस दौरान तमाम बेनामी संपत्तियों की खरीद-फरोख्त के बारे में जानकारी मिली थी। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, वाराणसी, कानपुर और लखनऊ में छापों के बाद अबू आजमी पर 160 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी करने का आरोप भी लगा था। अधिकारियों के मुताबिक अबू आजमी को हवाला के जरिए 40 करोड़ रुपये मिलने की जांच में पुष्टि हुई थी। मुंबई में अबू आजमी का कारोबार संभालने वाले अनीस आजमी के जरिए इस रकम को इधर से उधर किया जाता था। फिलहाल आयकर विभाग के अधिकारी छापों में हुई बरामदगी के बारे में सूचना देने से बच रहे हैं।

देवरिया जाएगा सपा का प्रतिनिधिमंडल

मीडिया से रूबरू अखिलेश ने देवरिया कांड के लिए सरकार और प्रशासन को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि अगर समय पर कार्रवाई की होती तो छह लोगों की हत्याएं नहीं होती। आरोप लगाया कि भाजपा पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के बजाय घटना से लाभ लेना चाहती है। मांग की कि सरकार उच्च स्तरीय जांच कराकर मामले में जिम्मेदार सभी के खिलाफ कार्रवाई करे और बर्खास्त करे। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमण्डल देवरिया जाएगा तो दोनों परिवारों से मिलेगा।

बस विपक्षी नेताओं को दबाने और कुचलने की कोशिश : भूपेश

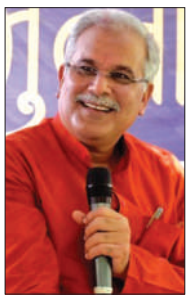

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। भारतीय प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से आप सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी पर छत्तीसगढ़ की सियासत गरमाई हुई है। मामले में सीएम भूपेश बघेल और आम आदमी पार्टी छत्तीसगढ़ ने पीएम नरेंद्र मोदी पर जमकर जुबानी हमला बोला है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि जब से एनडीए की सरकार आई है, तभी से विपक्षी नेताओं को दबाने और कुचलने की कोशिश की जा रही है। प्रजातंत्र में विपक्ष का होना बहुत जरूरी है। ऐसे में सभी विपक्षियों को जेल में ठूसने की बात हो रही है।

ये सीधा-सीधा तानाशाही है, लेकिन देश प्रजातांत्रिक है, जिसकी जड़ें बहुत गहरी हैं और अति का भी अंत होता है।वहीं दूसरी ओर आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी संजीव झा ने प्रदेश कार्यालय में आज राज्यसभा सांसद संजय सिंह की गिरफ्तारी मामले को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस लेकर पीएम पर मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने आप नेता संजय सिंह की गिरफ्तारी पर आरोप लगाते हुए पीएम मोदी सरकार के अंत की शुरुआत करार दिया। संजीव झा ने संजय सिंह की गिरफ्तारी को पूरी तरह से गैरकानूनी बताते हुए कहा कि ये मोदी की बौखलाहट को दर्शाता है। चुनाव तक ये कई और विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार करेंगे।

भेदभावपूर्ण कार्रवाई से विचलित होने वाला नहीं : अजय राय

» कहा- भाजपा के लिए सनातन राजनीतिक प्रतिशोध का हथियार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने कहा है कि सनातन का नाम लेने वाली भाजपा सरकार वस्तुत: सनातन प्रतिकार सरकार है। उसके लिए सनातन शब्द किसी आस्था एवं विश्वास का प्रतीक नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रतिशोध का एक हथियार मात्र है। उन्होंने कहा कि सरकार के पक्षपाती फैसले से यह बात पूरी तरह साबित हो गई है कि वह न सनातन के प्रति समदृष्टि रखती है और न कानून के समक्ष समता पर आधारित विधि के शासन में ही उसका कोई विश्वास है।

पूर्व मंत्री राय ने कहा कि यह बात पूरी तरह प्रमाणित हो गई, जब सनातन विरोधी सरकार ने काशी में 2015 में सनातन जन विश्वास एवं वर्तमान शंकराचार्य के विरुद्ध सरकारी दमन विरोधी अन्याय प्रतिकार यात्रा में शामिल रहे 82 लोगों पर दाखिल मुकदमे में 81 को आरोप मुक्त कर दिया।

नए लोगों को आगे बढ़ाने का समय: राजे

» खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने की इलेक्शन न लड़ने की घोषणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिवपुरी। मध्यप्रदेश की खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने आगामी विधानसभा चुनाव न लड़ने की घोषणा कर दी है। शिवपुरी में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने अपने समर्थकों से अपील की कि वह उनके इस निर्णय के साथ रहेंगे। अब नए लोगों को आगे बढ़ाने का समय है। इस तरह से अम्मा महाराज को याद करते हुए खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया भावुक हो गईं।

उन्होंने अपनी मां राजमाता विजया राजे सिंधिया को अपने भाषण के दौरान कई बार याद किया। कार्यक्रम के दौरान खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने मंच से भावुक होते हुए कहा कि मैं चुनाव नहीं लडूंगी और

उन्होंने शिवपुरी को गुड बाय कह दिया। उन्होंने अपनी मां को याद करते हुए कहा कि मेरी मां से मुझे प्रेरणा मिली, जिसमें उन्होंने 25 से 30 साल उनके पद चिन्हों पर चलते हुए जन सेवा की। भावुक होते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने अब निर्णय कर लिया है कि वह चुनाव नहीं लड़ेंगी। शिवपुरी में मेडिकल कॉलेज के सामने राजमाता विजया राजे सिंधिया की प्रतिमा का अनावरण गुरुवार को खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने किया। यहां पर दक्षिण से आए उडुपी पंडितों के मंत्र उच्चारण के बीच इस प्रतिमा का अनावरण हुआ। इस मौके पर खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने कहा कि संकल्प तो पहले ही ले लिया था कि चुनाव नहीं लड़ने वाली हूं। अम्मा के पदचिन्हों पर चलने की जो कोशिश की थी वह 25 से 30 साल में पूरी हो गई। मंच से अपने चुनाव में लड़ने की घोषणा करते हुए खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने कहा कि वह स्वास्थ्य कारणों के चलते चुनाव नहीं लड़ रही हैं। मंच से उन्होंने कहा कि अब मैं 21 साल की तो हूं नहीं, समय नए लोगों को आगे बढ़ाने का है। मेरी मां अम्मा महाराज ने भी जो राह दिखाई अब मेरा कर्तव्य कि उसे और आगे बढ़ाएं। चार बार कोरोना ने उन्हें स्वास्थ्य कारणों से परेशानी में डाला।

झूठ बोल रहे रविशंकर : बिहार सरकार

» प्रसाद व सिन्हा के घर जाकर लिया गया था जातिगत विवरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद और नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने आरोप लगाया था कि जाति आधारित गणना करने वाली टीम ने उनके परिवार का सर्वे नहीं किया है। और, न ही उनका हस्ताक्षर लिया है। दोनों भाजपा नेताओं ने जाति आधारित गणना के रिपोर्ट में फर्जीवाड़ा करने का आरोप लगाया था। अब बिहार सरकार की ओर से इस पर जवाब आया है। सरकार का कहना है पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद और नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा द्वारा जो आरोप लगाए गए हैं वह गलत और झूठे हैं।

पटना जिला प्रशासन की ओर से जानकारी दी गई है कि यह आरोप लगाया गया है कि एक सांसद और नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा के परिवार की जाति आधारित गणना नहीं गई है। इस संबंध में निदेशानुसार यह स्पष्ट किया जाता है कि उनके क्षेत्र के प्रगणक द्वारा सांसद और नेता, प्रतिपक्ष के घर जाकर विहित प्रपत्र में गणना की गई है। सभी सूचनाओं के साथ गणना प्रपत्र उपलब्ध है। दिशा-निदेशों के अनुसार व्यक्तिगत सूचना की गोपनीयता की शर्त के कारण उक्त गणना से संबंधित जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा रही है। दरअसल, पूर्व केंद्रीय मंत्री और पटना साहिब सीट से भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने भाजपा कार्यालय मीडिया से बातचीत के दौरान बुधवार को कहा था कि जातीय गणना की रिपोर्ट के आंकड़ों में फर्जीवाड़ा किया गया है। उनके घर जनगणना के लिए एक टीम आई थी,लेकिन वह गेट से वापस चली गई। यहां तक कि गणना करने वाले ने न उनसे मुलाकात की और न ही उनका हस्ताक्षर नहीं लिया। वह पटना साहिब के सांसद हैं। जब उनके साथ ऐसा हुआ है तो बिहार के अन्य लाखों लोगों के साथ इसी तरह का फर्जीवाड़ा हुआ होगा। रविशंकर प्रसाद ने दावा किया कि जाति गणना में बिना सभी लोगों से मिले रिपोर्ट बना दी गई और कई जातियों की संख्या को कम बता दिया है।

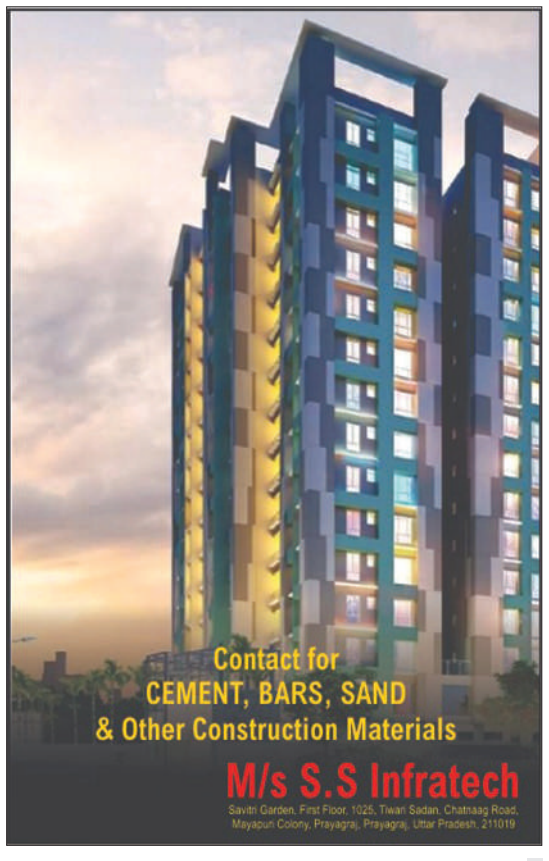

जातिगत जनगणना अच्छा काम : आनंद मोहन

पूर्व सांसद बाहुबली आनंद मोहन सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच काफी देर तक बातचीत भी हुई। आनंद मोहन का मानना है कि बिहार सरकार ने जाति आधारित गणना करवा कर अच्छा काम किया है, लेकिन रिपोर्ट में कुछ त्रुटि है। इसमें सुधार की आवश्यकता है। आनंद मोहन ने सीएम नीतीश कुमार से राजद के विवाद पर भी बात की और चुनावी रणनीति को लेकर भी चर्चा की। पूर्व सांसद आनंद मोहन ने जाति आधारित गणना को लेकर बिहार सरकार की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि गणना करवाकर सरकार ने अच्छा काम किया है। हालांकि, इसमें कुछ त्रुटि है, जिसे सुधार की आवश्यता है। जाति आधारित गणना, आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक स्थिति को देखते हुए की जानी चाहिए थी, इसके कुछ चूक हो गई।

यूपी में दलित वोटों को साधने की तैयारी

» कांग्रेस व भाजपा दलितों के घर-घर जाएगी

» घोसी चुनाव में समर्थन से गदगद सपा ने भी बनाई रणनीति

» बसपा फिर कॉडर वोट को जोड़ने की तैयारी में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिहार में जातीय जनगणना के आंकड़ें सामने आने के बाद कांग्रेस समेत कई राजनैतिक पार्टियां दलित वोटबैंक को साधने में जुट गई है। जहां कांग्रेस पूरे प्रदेश में दलितों को अपने से जोड़ने के लिए कांशीराम की पुण्यतिथि पर नौ अक्टूबर से दलित गौरव संवाद कार्यक्रम शुरू करेगी। वहीं भाजपा लोकसभा चुनाव से पहले क्षेत्रवार दलित जातियों को जोड़ने का अभियान चलाएगी। उधर बसपा भी अपने कोर वोट बैंक की वापसी के लिए घर-घर जाकर पार्टी सुप्रीमो की अपील पहुंचाएगी। वहीं घोसी सीट पर जीत से गदगद सपा वहां पर अपने पक्ष में पड़े दलितों के वोट से उत्साहित है उसने भी उन वोटों को अपने साथ बरकारर रखने के लिए बूथ स्तर पर कार्यक्रम चलाने की योजना बनाई है। कुल मिलाकर राज्य में जातीगत जनगणना के बहाने वोटों को सहजेने का उपक्रम चालू होगा जो 2024 के चुनाव तक अनवरत चलता रहेगा। प्रदेश में 80 के दशक तक दलित वोट बैंक कांग्रेस के पाले में रहा।

दलित वोट बसपा के उभार होते ही वह कांग्रेस से छिटक गया। नतीजतन कांग्रेस सत्ता से बेदखल हुई। उसके साथ जुड़ीं अन्य जातियां भी छिटक गईं। अब पार्टी नई रणनीति के साथ आगे बढ़ रही है। पार्टी के रणनीतिकारों का मानना है कि दलित वोटबैंक उसके साथ जुड़ा तो सियासी वैतरणी पार करना आसान हो जाएगा। यही वजह है कि वह भाजपा, सपा और बसपा से इतर नई रणनीति के साथ इस वोटबैंक को अपने पाले में करने की तैयारी में है। कांग्रेस नौ अक्तूबर को बसपा संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि पर प्रदेश भर में समारोह आयोजित करेगी। इसमें कांशीराम को श्रद्धांजलि देने के साथ ही उनके संदेशों का प्रचार किया जाएगा। उसी दिन दलित गौरव संवाद कार्यक्रम भी शुरू किया जाएगा। यह संविधान दिवस यानी 26 नवंबर तक चलेगा। प्रयास होगा कि इस अभियान में डॉक्टरों, इंजीनियरों, शिक्षकों समेत अन्य प्रबुद्ध वर्ग के लोगों की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी हो। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय कहते हैं कि जिस दिन दलित कांग्रेस के साथ पूरी तरह से आ गया, उसी दिन भाजपा केंद्र व राज्य की सत्ता से बाहर हो जाएगी। दलित गौरव संवाद के जरिये दलित वर्ग के लोगों को समझाया जाएगा कि कांग्रेस उनका पुराना घर है। उनकी सियासी हिस्सेदारी देने के लिए कांग्रेस हमेशा तैयार रही है। कांग्रेस के प्रदेश संगठन सचिव अनिल यादव बताते हैं कि विभिन्न दलों के लोग निरंतर कांग्रेस में आ रहे हैं। जातीय जनगणना की मांग सबसे पहले कांग्रेस ने की। दलित गौरव संवाद कार्यक्रम के जरिये भरवाए जाने वाले पत्र में दलित समुदाय के बुद्धजीवियों से उनकी ख्वाहिशें जानेंगे। प्रदेश की सियासत में दलित समुदाय किस तरह का बदलाव चाहता है, यह भी जानने की कोशिश की जाएगी।

क्षेत्रवार दलित जातियों को जोड़ने का अभियान चलाएगी भाजपा

भाजपा लोकसभा चुनाव से पहले क्षेत्रवार दलित जातियों को जोड़ने का अभियान चलाएगी। पहले चरण में अक्तूबर में सभी छह संगठनात्मक क्षेत्रों में अनुसूचित जाति सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। प्रदेश में लोकसभा की 17 सीटें आरक्षित हैं। इनमें से नगीना व लालगंज बसपा के पास हैं। बुलंदशहर, हाथरस, आगरा, शाहजहांपुर, हरदोई, मिश्रिख, मोहनलालगंज, इटावा, जालौन, कौशांबी, बाराबंकी, बहराइच, बासगांव, मछलीशहर और राबर्ट्सगंज भाजपा गठबंधन के पास है। वहीं, विधानसभा चुनाव 2022 में भाजपा गठबंधन ने अनुसूचित जाति के 86 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा था। इस तरह आरक्षित से ज्यादा सीटों पर दलितों को मौका दिया। इनमें से 63 उम्मीदवार चुनाव जीते थे। पार्टी का मानना है कि लोकसभा चुनाव में सभी 80 सीटें जीतने का लक्ष्य दलित वर्ग के 50 फीसदी वोट प्राप्त किए बिना हासिल नहीं किया जा सकता है। बिहार में जातीय जनगणना की रिपोर्ट आने के बाद पार्टी ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर दलितों के बीच जनाधार बढ़ाने के लिए मिशन मोड पर काम शुरू किया है। अवध, काशी, गोरखपुर, कानपुर-बुंदेलखंड, पश्चिम और ब्रज क्षेत्र में करीब एक-एक लाख दलितों के सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने बुधवार को वाराणसी में काशी क्षेत्र की और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने हापुड़ में पश्चिम क्षेत्र की बैठक की। सूत्रों के मुताबिक पार्टी का खास जोर बसपा के जाटव वोट बैंक में सेंध लगाने पर रहेगा। इसके लिए पार्टी के जाटव नेताओं व मंत्रियों को कमान सौंपी गई है। पश्चिम क्षेत्र में जाटव, धोबी और खटीक समाज को जोड़ने पर जोर रहेगा। अवध में पासी और कोरी समाज के घर-घर दस्तक दी जाएगी। बुंदेलखंड में कोरी व धोबी और पूर्वांचल में सोनकर, पासवान, पासी व जाटव समाज के लिए रणनीति बनाई है। चुनाव में दलित वर्ग को साधने की जिम्मेदारी योगी सरकार के दलित मंत्रियों और पार्टी के अनुसूचित जाति वर्ग से जुड़े पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी जा रही है। मंत्री व पदाधिकारी को उनकी जाति से जुड़े क्षेत्रों में लोगों को जोड़ने का जिम्मा सौंपा गया है।

यूपी में करीब 22 फीसदी आबादी दलितों की

यूपी में करीब 22 फीसदी आबादी दलितों की हैं। इनमें करीब 12 फीसदी जाटव हैं। इसके अलावा चार फीसदी पासी, तीन फीसदी कोरी, 1.5 फीसदी धानुक व खटिक और 1.5 फीसदी अन्य हैं। प्रदेश की 80 लोकसभा क्षेत्र में 17 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। वर्ष 2019 के चुनाव में 15 सीटें भाजपा को मिली थीं।

इमरान पश्चिम में कांग्रेस को दे सकते हैं संजीवनी

पश्चिम में अल्पसंख्यकों के बीच गहरी पैठ रखने वाले पूर्व विधायक इमरान मसूद एक बार फिर कांग्रेस का हाथ पकड़ने जा रहे हैं। वह सात अक्टूबर को अपने समर्थकों के साथ दिल्ली में कांग्रेस में शामिल हो जाएंगे। विधानसभा चुनाव 2022 से ठीक पहले इमरान मसूद सपा में आए। उन्हें भरोसा था कि वह खुद के साथ ही अपने सहयोगियों को साइकिल पर सवार करते हुए सियासी मैदान में उतरेंगे, लेकिन निराशा हाथ लगी। सपा ने इमरान मसूद को भी टिकट नहीं दिया। चुनाव के बाद वह बसपा में चले गए। बसपा ने उनकी भाभी को मेयर का टिकट दिया, लेकिन हार गईं। पिछले दिनों उन्होंने राहुल गांधी की तारीफ की तो बसपा ने पार्टी से निष्काषित कर दिया। अब वह फिर से कांग्रेस में घर वापसी कर रहे हैं। पूर्व विधायक का कहना है कि पहले से ही कांग्रेस में आस्था थी, अब दोबारा से अपने घर वापसी कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव में टिकट के सवाल पर उन्होंने कहा कि पार्टी हाईकमान के आदेश का पालन करेंगे। सहारनपुर लोकसभा सीट हो या फिर कैराना अथवा बिजनौर जहां से आदेश होगा, वहीं से मैदान में उतरेंगे। इमरान मसूद की कांग्रेस में एंट्री के बाद लोकसभा चुनाव का समीकरण भी बदल सकता है। इमरान मसूद की मुस्लिम समाज के वोटरों में काफी अच्छी पकड़ है। कांग्रेस पहले से ही इंडिया गठबंधन में शामिल है। यदि इमरान को लोकसभा चुनाव का टिकट मिलता है तो वह मुस्लिम वोटरों को साधने में कामयाब हो सकते हैं। इमरान मसूद पहले भी तीन बार सहारनपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ चुके हैं। हालांकि उन्हें जीत नहीं मिल सकी थी, लेकिन हर बार चुनाव हिंदू-मुस्लिम हुआ। ऐसे में भाजपा और गठबंधन के बीच कांटे की टक्कर हो सकती है, जिसमें जीत-हार का अंतर बेहद कम रह सकता है। इमरान मसूद 1987 में राजनीति में आ गए थे। 2001 में पहला चुनाव नगर पालिका सहारनपुर में चेयरमैन के पद पर लड़ा था, लेकिन हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद 2006 में नगर पालिका के चेयरमैन बने। वह सहारनपुर जिले की मुजफ्फराबाद सीट (अब बेहट सीट) से साल 2007 में निर्दलीय विधायक रहे हैं। इमरान 2013 में कांग्रेस में आ गए थे। विधानसभा चुनाव 2022 से पहले जनवरी में उन्होंने कांग्रेस को छोड़ दिया था। इसके बाद उन्होंने समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया था। इमरान को यहां पर टिकट नहीं मिला था, जिस पर इमरान ने सपा को अलविदा कहकर बसपा में एंट्री मार दी थी। करीब डेढ़ माह पहले इमरान ने राहुल गांधी की तारीफ कर दी थी। इसके बाद उन्हें बसपा से निष्कासित कर दिया गया था।

एससी आयोग में अध्यक्ष व सदस्यों के पद खाली

भाजपा दलित वर्ग को साधने का प्रयास कर रही है लेकिन प्रदेश में अनुसूचित जाति आयोग में अध्यक्ष और सदस्यों का पद लंबे समय से खाली है। इसके कारण एससी से जुड़े मामलों की सुनवाई में विलंब हो रहा है। विधान परिषद में भाजपा के 81 सदस्यों में से मात्र चार विद्यासागर सोनकर, निर्मला पासवान, सुरेंद्र चौधरी और लालजी निर्मल दलित वर्ग से हैं। वहीं, संगठन में भी 98 संगठनात्मक जिलों में से महज पांच में दलित जिलाध्यक्ष हैं।

वरुण और मेनका को भाजपा देगी झटका

17 लोकसभा चुनाव में मेनका गांधी और वरुण गांधी का टिकट कट सकता है। भाजपा ने सुल्तानपुर और पीलीभीत में नए चेहरों की तलाश शुरू कर दी है। लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा की ओर से सर्वे कराया जा रहा है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, सर्वे रिपोर्ट में सामने आया है कि सुल्तानपुर के भाजपा कार्यकर्ता स्थानीय सांसद मेनका गांधी से खफा हैं। मेनका गांधी की संसदीय क्षेत्र में मौजूदगी कम रहती है इसको लेकर भी जनता ने नाराजगी जताई है। संगठनात्मक कार्यक्रमों भी मेनका अधिकांश समय अनुपस्थित रहती है। वहीं सर्वे रिपोर्ट पीलीभीत के भाजपा सांसद वरुण गांधी के खिलाफ है। भाजपा का स्थानीय संगठन भी पूरी तरह सांसद के विरोध में है। वरुण की बयानबाजी के बाद पार्टी नेतृत्व ने भी इस बार पीलीभीत में प्रत्याशी बदलने का मन बना लिया है। पार्टी वहां से प्रदेश सरकार में कुर्मी समाज के एक राज्यमंत्री को चुनाव लड़ाने की तैयारी कर रही है। पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी बीते तीन वर्ष से भाजपा से दूरी बनाए हैं। वरुण गांधी न तो विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशियों के समर्थन में चुनाव प्रचार करने आए। न ही किसी संगठनात्मक कार्यक्रम में शामिल होते हैं। वरुण अक्सर केंद्र सरकार के निर्णयों और प्रदेश की व्यवस्था के खिलाफ मुखर भी होते हैं। भाजपा के उच्चपदस्थ पदाधिकारी ने बताया कि मेनका गांधी और वरुण गांधी केंद्र सरकार में मंत्री नहीं बनाए जाने से नाराज हैं। उल्लेखनीय है कि मेनका गांधी मोदी सरकार 1.0 में कैबिनेट मंत्री थी।

आदिवासी समाज देश का गौरव : प्रियंका

प्रियंका गांधी ने कहा कि आदिवासी समाज की गौरव और गोंडवाना साम्राज्य की महान वीरांगना रानी दुर्गावती जी की जयंती है। उन्हें मेरा शत-शत नमन। आदिवासी नायक भीमा नायक जी, शंकर शाह जी, रघुनाथ शाह जी और बादल भोई जी की विरासत को नमन। यह महाराजा भोज की धरती है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने मध्य प्रदेश के धार में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित किया। मध्य प्रदेश चुनाव को लेकर राज्य में कांग्रेस अपनी ताकत लगा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह कई महापुरुषों की भूमि है। हम उन्हें महापुरुष कहते हैं क्योंकि उन्होंने जीवन भर जनता के हितों के लिए संघर्ष किया और कभी उनका भरोसा नहीं तोड़ा। उन्होंने कहा कि यहां व्यापमं घोटाला हुआ। क्या कोई जांच कराई गई? अगर आप उनके (बीजेपी) खिलाफ लिखते हैं तो ईडी तुरंत पहुंच जाती है। आपको पूछना होगा कि ईडी अभी तक यहां क्यों नहीं आई? जब माँ नर्मदा के साथ और सप्तऋषियों की मूर्तियों के संबंध में (महाकाल गलियारे में) भ्रष्टाचार हो सकता है...क्या भगवान के साथ भी कोई भ्रष्टाचार करता है? क्या अब उन्हें (बीजेपी को) बदलने का समय नहीं आ गया है? प्रियंका गांधी ने कहा कि आज आदिवासी समाज की गौरव और गोंडवाना साम्राज्य की महान वीरांगना रानी दुर्गावती जी की जयंती है। उन्हें मेरा शत-शत नमन। आदिवासी नायक भीमा नायक जी, शंकर शाह जी, रघुनाथ शाह जी और बादल भोई जी की विरासत को नमन। यह महाराजा भोज की धरती है। शहीद महाराजा बख्तावर सिंह जी की धरती है, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में अपना बलिदान दिया। यहीं पर आदिवासी समाज व राष्ट्र के नायक टंट्या मामा ने आजादी के लिए प्राणों का बलिदान दिया। यह संविधान निर्माता बाबासाहेब आंबेडकर जी की भी धरती है। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी का यहां से पुराना रिश्ता रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि मैं सुबह उठकर देखी कि मोदी जी क्या भाषण दे रहे हैं। हम जो कहते है, वो भी वहीं कहते हैं। नरेंद्र मोदी कहते हैं कि हमने रोजगार दिलाए हैं। हम कहते हैं कि हमने दिलाएं। ऐसे में जनता को कैसे पता चलेगा कि सच कौन बोल रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 18 सालों में 17 हजार नवयुवकों ने खुदकुशी की है। मेरी बातों में भी मत पड़िए। सच्चाई और अपने अनुभव में पड़िए। उन्होंने कहा कि हमें अपने देश पर गर्व है क्योंकि हमारा देश ऐसा था जिसका लोकतंत्र पड़ोसी देशों में सबसे मजबूत माना जाता था। संविधान लिखने वाले लोगों ने इस देश के लिए अपनी जान दे दी। हमें अपने देश पर गर्व है जिसका संविधान है लिखा कि सभी को समान अधिकार मिलना चाहिए। कांग्रेस सरकार ने पंचायतों को अधिकार देकर इस अधिकार को मजबूत बनाया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

धरती की हलचल आसमान को कर रही प्रभावित !

“ पहाड़ी इलाकों में मानवीय विकास की वजह से प्राकृतिक संरचनाएं ध्वस्त हो रही है जिसकी वजह से भूस्खलन व भूकंप-बाढ़ जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं। अब ल्होनक झील की सैटेलाइट तस्वीर इसरो ने जारी की है। तस्वीर 28 सितंबर की है, जिसमें झील का एरिया बढ़ा दिख रहा है। दाईं तस्वीर 4 अक्टूबर की है, जिसमें झील का एरिया सिमटा हुआ दिख रहा है।

सिक्किम में बादल फटने की घटना में वैज्ञानिकों को आशंका है कि नेपाल में आए भूकंप से ल्होनक झील टूटी। उसका दायरा एक तिहाई रह गया। जब बादल फटा तो झील इतना पानी रोक नहीं पाई। इससे तीस्ता नदी में बाढ़ आ गई। इससे पहले हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों मे भी बादल फटने तबाही मच चुकी है। ज्यदातर तबाही की जो वजह सामने आई है उसमें पहाड़ों में बेतरतीब विकास को माना गया है। पहाड़ी इलाकों में मानवीय विकास की वजह से प्राकृतिक संरचनाएं ध्वस्त हो रही है जिसकी वजह से भूस्खलन व भूकंप-बाढ़ जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं। अब ल्होनक झील की सैटेलाइट तस्वीर इसरो ने जारी की है। तस्वीर 28 सितंबर की है, जिसमें झील का एरिया बढ़ा दिख रहा है। दाईं तस्वीर 4 अक्टूबर की है, जिसमें झील का एरिया सिमटा हुआ दिख रहा है। नेपाल में 3 अक्टूबर को एक घंटे में चार भूकंप आए थे। इनमें से एक 6.2 तीव्रता का था।

इन भूकंपों की वजह से झील सिकुड़ गई। अब तक 14 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 26 घायल हैं। 102 लोग अब भी लापता हैं, जिसमें सेना के 22 जवान शामिल हैं। पाक्योंग के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट ताशी चोपेल ने सभी जवानों की मौत की आशंका जताई है। आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। नदी का जलस्तर 15 से 20 फीट तक बढ़ गया। नदी से लगे इलाके में ही आर्मी कैंप था, जो बाढ़ में बह गया और यहां खड़ी 41 गाड़ियां डूब गईं। सिक्किम में 3 हजार पर्यटक फंसे हुए हैं। बिजली गुल है। सैकड़ों गांव मुख्य मार्गों से कट चुके हैं। कुछ इलाकों में दो घंटे में 15 इंच तक बारिश दर्ज की गई। दिखचू, सिंगटम और रांगपो शहर जलमग्न हो गए हैं। बाढ़ की वजह से सिक्किम को देश से जोड़ने वाला नेशनल हाईवे एनएच-10 भी बह गया। सिक्किम से लगे पश्चिम बंगाल के तीन जिले- जलपाईगुड़ी, कलिमपोन्ग और कूचबिहार में भी बाढ़ जैसे हालात हैं। इससे पहले सिक्किम में 16 जून को भी बादल फटा था। यहां के पेक्योन्ग में जमीन खिसकने और फिर बादल फटने से घरों में पानी भर गया था। कई लोग इससे प्रभावित हुए थे। हिमाचल प्रदेश के मंडी में बादल फटा था। जिसमें 51 लोग फंस गए थे। एनडीआरएफ की टीम ने सभी को सुरक्षित बचा लिया था। बद्दी जिले में बारिश के चलते बालद नदी में उफान आने से पुल दो हिस्सों में टूट गया था। वहीं पंडोह में मलबे की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी जबकि एक स्कूल की बिल्डिंग नाले में बह गई थी। हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के पांवटा साहिब में बादल फटा, जिसके कारण सिरमौरी ताल गांव में फ्लैश फ्लड से एक मकान ढह गया था। इसकी चपेट में 5 लोग आए थे। उतराखंड में बादल फटने की घटनाएं होती रहती हैं। अब लोगों क ो प्रकृति का दोहन रोकना होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मानव के अस्तित्व से जुड़ा बेजुबानों का संरक्षण

योगेश कुमार गोयल

पशुओं के कल्याण मानकों में सुधार को लेकर दुनियाभर में लोगों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 4 अक्टूबर को ‘विश्व पशु कल्याण दिवस’ मनाया जाता है। यह एक ऐसी वैश्विक पहल है, जिसका प्रमुख उद्देश्य पशु कल्याण के लिए बेहतर मानक सुनिश्चित करना है। विश्व पशु दिवस पहली बार सिनोलॉजिस्ट हेनरिक जिमर्मन की पहल पर जर्मनी के बर्लिन में 24 मार्च, 1925 को पशु कल्याण के बारे में जागरूकता फैलाने के मकसद से मनाया गया था। पशुओं की लुप्तप्राय प्रजातियों की दुर्दशा को उजागर करने के लिए इटली के फ्लोरेंस में 1931 में आयोजित पारिस्थितिकी विदों के सम्मेलन में विश्व पशु दिवस मनाने के लिए प्रतिवर्ष 4 अक्टूबर को ही चुना गया था। यह कार्यक्रम सेंट फ्रांसिस ऑफ असीसी के पर्व के साथ रखा गया था। वर्ष 2003 में पहली विश्व पशु दिवस वेबसाइट यूके स्थित पशु कल्याण चैरिटी नेचर वॉच फाउंडेशन द्वारा लांच की गई थी। इस दिन को पशु प्रेमी दिवस के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि यह पशु अधिकारों को बढ़ावा देने वाले व्यक्तियों एवं संगठनों का समर्थन करके जानवरों के प्रति प्यार, देखभाल और सुरक्षा को प्रोत्साहित करता है।

दरअसल, पशु मानव जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो न केवल हमारी जिंदगी को समृद्ध बनाते हैं बल्कि हमें बेहतर इंसान भी बनाते हैं। पारिस्थितिकी तंत्र में सभी जानवर पारिस्थितिकीय संतुलन, पर्यावरण की रक्षा करने और मानव स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में भी समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मनुष्य और पशु न केवल एक-दूसरे पर निर्भर हैं बल्कि एक-दूसरे के पूरक भी हैं। सही मायनों में दोनों का अस्तित्व ही खुशहाली का प्रतीक है और यदि जंगल से किसी एक जीव की प्रजाति भी लुप्त होती है तो उसका असर सम्पूर्ण पर्यावरण पर पड़ता है। विश्व पशु दिवस विश्वभर में कल्याण मानकों के मिशन के साथ जानवरों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक ऐसा सामाजिक आन्दोलन है, जो प्रतिवर्ष एक निर्धारित थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष इस दिवस का विषय है ‘ग्रेट ऑर स्मॉल, लव दैम ऑल’ यानी पशु चाहे छोटे हों या बड़े, हम उन सभी से प्यार करें।

भारत में करीब 70 फीसदी आबादी कृषि तथा कृषि संबंधी व्यवसायों पर निर्भर है। प्राचीन काल से ही पशुपालन और कृषि व्यवसायों का आपस में गहरा संबंध रहा है। गरीब परिवारों के लिए तो पशुधन ग्रामीण मुद्राएं हैं, जो खासकर गरीब परिवारों के लिए बीमा विकल्प के रूप में भी कार्य करता है। दरअसल, यह उनके लिए ऐसी सम्पत्ति है, जिसे संकट के समय बेचा जा सकता है। यही कारण है पालतू पशुओं को ‘पशुधन’ कहा जाता है। मानव और पशुओं के आपसी संबंध मानव जीवन के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं क्योंकि पशुओं का मानवीय समाज में विभिन्न रूपों में योगदान होता है। पशुओं के साथ रहने से हमें स्वाभाविक संवेदनशीलता, प्यार, सहयोग और उन्नति का अनुभव होता है। बहुत से पशु-पक्षी तो ऐसे हैं, जो यदि धरती पर नहीं हों तो पृथ्वी पर मनुष्य का जीना ही मुश्किल हो जाएगा। गाय, भैंस, बैल, गधे, घोड़े से लेकर कुत्ते-बिल्ली तक सभी पशु किसी न किसी रूप में मनुष्यों के सहायक हैं। इसी तरह पक्षी व कीट भी

जानवरों के पीने के लिए किनारे पर पानी का इंतजाम करते हैं। हाथी जमीन को उपजाऊ बना सकता है जबकि गैंडा कीचड़ में रहकर मिट्टी की अदला-बदली का काम करता है और प्रतिदिन करीब पचास किलो वनस्पति की खुराक होने से यह जंगल में कूड़ा-कर्कट नहीं होने देता। उसके शरीर पर फसल के लिए हानिकारक कीड़े जमा हो जाते हैं, जो पक्षियों का भोजन बनते हैं और इस प्रकार गैंडे प्राकृतिक संतुलन बनाए रखते हैं।

मानव जाति को यह समझना होगा कि पशुओं का जीवन किसी भी तरह से हमारे जीवन से कम कीमती नहीं है। जैव विविधता के जनक के नाम से विख्यात हार्वर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व जीव विज्ञानी और पुलित्जर पुरस्कार विजेता ईओ विल्सन के अनुसार पृथ्वी पर प्रत्येक प्रजाति अत्यधिक देखभाल एवं प्रतिभा के साथ बनाई गई उत्कृष्ट कृति है।

सऊदी अरब व रूस के मनमाने तेल दाम की बंधक दुनिया

सुषमा रामचंद्रन

विश्व के सबसे बड़े तेल निर्यातक, सऊदी अरब और रूस, कच्चे तेल की कीमत को ऊंचा कर लगभग एक साल पहले वाला दाम करने में सफल हो गए हैं। स्पष्टत: यह काम उन्होंने मार्च महीने से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कम होती कीमत से चिंतित होकर किया है और इसके लिए दोनों ने एकजुट होकर उत्पादन को इतना घटाया कि दाम 90 डॉलर प्रति बैरल से नीचे न जाने पाए। अनेकानेक वैश्विक निवेशक बैंकों ने भी पूर्व-भविष्यवाणी की है कि 2024 में भाव 100 डॉलर प्रति बैरल छू जाएगा, यह परिदृश्य चिंतित करने वाला है, कम-से-कम भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए।

रोचक यह है कि दोनों मुल्कों के भारत के साथ निकट संबंध हैं। सऊदी अरब के मामले में, पिछले कुछ सालों में रिश्ते उत्तरोतर प्रगाढ़ हुए हैं और युवराज मोहम्मद बिन सलमान की हालिया भारत यात्रा में आठ संयुक्त समझौतों पर आखिरी निर्णय हुआ है। इनमें अधिकांश सऊदी अरब द्वारा 100 बिलियन डॉलर की निवेश पेशकश से संबंधित हैं। इसमें एक है भारत के पश्चिमी तट पर सऊदिया कच्चा तेल परिशोधन संयंत्र स्थापना। जहां तक रूस की बात है, दशकों से चली आ रही सामरिक साझेदारी यूक्रेन युद्ध के बाद गहरे आर्थिक संबंध में तब्दील हो चुकी है। पिछले एक साल में, जहां तेल कीमतें ऊपर गई हैं वहीं भारत को रूस से तेल बाजार भाव की बजाय रियायती दरों पर मिलता रहा। भारत से इतने मधुर रिश्तों के बावजूद, दो अग्रणी तेल निर्यातकों ने मिलकर तय किया है वैश्विक बाजार में तेल-भाव ऊंचा बना रहे,यह स्थिति अपनी जरूरत का 85 फीसदी तेल आयात करने वाले भारत जैसे देश के लिए बहुत मुश्किलें पैदा करेगी। यह करते वक्त उन्हें भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्थों की परवाह कम ही है। तेल कीमत ऊंची बने रहने से आयात की लागत में इजाफा होने से राजकोष पर काफी बोझ पड़ेगा, जोकि वर्ष 2023-24 में 158 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा। गोल्डमैन सैस और सिटीबैंक एवं अनेकानेक निवेशक एजेंसियों का अनुमान है कि अगले साल भाव और उठने का असर भी उतना ज्यादा रहेगा।

आर्गेनाइजेशन ऑफ ऑयल एंड पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीस (ओपेक), तेल उत्पादक देशों का संघ है और रूस के आन जुड़ने से अब ओपेक+ के नाम से जाना जाता है। पहले इसने अप्रैल माह में घोषणा की थी कि उत्पादन में 11.5 लाख बैरल प्रति दिन की कटौती करेंगे। लेकिन उस वक्त तेल-बाजार की चाल में विशेष बदलाव नहीं आया। कच्चे तेल की कीमत 75 से 80 डॉलर प्रति बैरल बनी रही। जुलाई माह में सऊदी अरब और रूस ने अपने तौर पर 13 लाख बैरल प्रति दिन की कटौती जारी रखी। अब इससे फर्क पड़ा और भाव ऊपर उठने लगे। साल के अंत तक ऐसी कटौती जारी रखने के निर्णय ने हाल ही में दामों में तीखी वृद्धि बनाई है। तेल दाम तय करने में गुणवत्ता का मानक ब्रेंट क्रूड ऑयल फिलहाल 92 डॉलर प्रति बैरल है वहीं अमेरिका के वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड ऑयल की कीमत लगभग 89 डॉलर प्रति बैरल है।

दुनिया ऊंची तेल कीमतों से जूझ रही है और इससे पुन: मुद्रास्फीति जनित दबाव बनने की आशंका है,ओपेक+ के अगुवा सऊदी अरब का इस बारे में कहना है कि उसे अपना बुनियादी ढांचा विकसित करने के लिए धन चाहिए। उसे मालूम है कि जीवाश्म ईंधन की मांग भविष्य में काफी घटेगी और वह इसके नतीजों के मद्देनजर दीर्घकालीन तैयारी करने में लगा है। इस कार्यक्रम को ‘विजन-2030’ का नाम दिया गया है, इसके तहत सल्तनत के आर्थिक ढर्रे में आमूल-चूल परिवर्तन, तेल की कमाई पर निर्भरता घटाना और विशालकाय बुनियादी ढांचा निर्माण कार्य के जरिये रोजगार पैदा करना है। यह दृष्टिपत्र स्पष्टत: अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुमान से जुड़ा है कि 2030 के बाद जीवाश्म ईंधन की मांग में कमी आने लगेगी। इस पश्चिमी एशियाई देश के जहन में अवश्य ही यह बात भी होगी कि कोविड महामारी के दौरान कच्चे तेल का दाम टूटकर 9 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया था। हालांकि यह बहुत छोटी अवधि के लिए रहा, फिर भी इसने भारत को अपने सामरिक तेल भंडारण हेतु बड़ी मात्रा में तेल-फरोख्त का मौका दिया। लेकिन निश्चित रूप से यह काल तेल-निर्यातक मुल्कों के लिए घाटे का रहा, जो अब अपने उत्पाद की मांग घटने से पहले ज्यादा-से-ज्यादा आर्थिक स्रोत जुटाना चाहते हैं।

रूस के मामले में, यूक्रेन युद्ध के लिए धन की जरूरत के चलते वैश्विक तेल कीमतें ऊंची रखना उसकी रणनीति का हिस्सा है। रूस खुद भी घरेलू मोर्चे पर अनेकानेक तंगियों से जूझ रहा है, जिसके कारण गैसोलीन और डीजल निर्यात पर प्रतिबंध लगाया गया है। सवाल है कि क्या भारत और दो सबसे बड़े तेल निर्यातक खिलाड़ियों के बीच अच्छे रिश्ते होने से रियायती दर पर तेल पाने में मदद मिलेगी? पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद, पिछले साल रूस ने भारत को सस्ते दाम पर तेल दिया था। यह सौदा परस्पर लाभदायक प्रबंध रहा। यूक्रेन युद्ध शुरू के होने के तुरंत बाद वाले समय में बाकी देश आकाश छूती कीमत यानि 100 डॉलर प्रति बैरल से अधिक मूल्य पर तेल ले रहे थे। रियायत तो अभी भी उपलब्ध है लेकिन निश्चित रूप से पहले के मुकाबले कम। नतीजतन भारत को फिलहाल कच्चा तेल 93.93 डॉलर प्रति बैरल मिल रहा है जबकि जून में दाम 74.93 डॉलर प्रति बैरल था। दूसरी ओर, सऊदी अरब ने अभी तक दक्षिणी गोलार्ध के मुल्कों को कोई रियायत नहीं दी है।

शुगर, कब्ज व मोटापा के लिए रामबाण है अमरूद

मैदानी व पहाड़ी इलाकों अमरूद का पेड़ आसानी से मिल जाता है, जिसका सेवन करने के कई फायदे हैं। आयुर्वेद की माने तो अमरूद में भरपूर मात्रा में पोषक तत्व पाए जाते हैं। जिससे आपकी बॉडी मजबूत होती है, इसमें मौजूद मिनरल और विटामिन शरीर को कई तरह की बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। कैलोरी में कम और फाइबर से भरपूर अमरूद पोषक तत्वों से भरपूर फल है। अमरूद न केवल फल के रूप में लाभदायक है, बल्कि इसके पत्ते शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद होते हैं। इसका प्रतिदिन सेवन करने से पाचन तंत्र को मजबूती मिलती है। यह फल डायबिटीज, वजन कम करना और बॉडी को तंदुरुस्त करने में फायदेमंद हैं।

कब्ज की समस्या में अमरुद से काफी फायदा पहुंच सकता है

बॉडी में ग्लूकोज को करता है बैलेंस

वैसे तो अमरूद खाना सभी को पसंद है। लेकिन लोग इसके उपयोग को नहीं जानते हैं। डायबिटीज के रोगियों के लिए अमरुद एक बेहतरीन फल साबित हो सकता है। यह फाइबर से भरपूर होता है और इसमें ग्लाइसेमिक इंडेक्स बहुत कम है। यह दोनों गुण रक्त में ग्लूकोज के स्तर को नियंत्रित करने के लिए जरूरी है।

कैंसर के खतरे को करता है कम

साथ ही थायराइड ग्लैंड को बेहतर ढंग से काम करने में मदद करता है। इसमें लाइकोपिन जैसे एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो कोशिकाओं को होने वाले नुकसान से बचाते हैं। एंटीऑक्सीडेंट के चलते फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से सुरक्षित रहते हैं। इससे कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा काफी कम होता है।

विटामिनों से भरपूर है यह फल

अमरूद मस्तिष्क को स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक विटामिन अमरुद में पाए जा सकते हैं। इनमें विटामिन b3 और विटामिन बी 6 होते हैं, जो मस्तिष्क में ब्लड सरकुलेशन में सुधार करते हैं और आपकी नसों को आराम देते हैं। इसमें कॉपर की मात्रा भी होती है। जो हार्मोन के उत्पादन और अवशोषण के लिए जरूरी है।

इम्यूनिटी बूस्ट करता है ये फल

इसमें एंटीऑक्सीडेंट मौजूद होता है, जो त्वचा को झुर्रियों से बचाते हैं। जिससे आप जवान दिख सकते हैं। अमरूद खाने से बुढ़ापा देर से आता है। कब्ज की समस्या में अमरुद से काफी फायदा पहुंच सकता है। इसके अलावा विटामिन ए की मात्रा पाई जाती है, जो आंखों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। इसमें विटामिन सी का भंडार पाया जाता है। इससे आपकी इम्यूनिटी बूस्ट होती है।

हंसना मना है

मंटू ऑटो ड्राइवर से बोला: गुरुद्वारा जाओगे? ड्रॉइवर: हां, बिल्कुल जाऊंगा। मंटू ने जेब से पॉलिथीन निकाली और ड्राइवर को देते हुए बोला: वापस आना तो मेरे लिए लंगर लेते आना।

लड़की आधी रात को: गुड नाइट मम्मी। मम्मी: गुड नाइट। लड़की (गुस्से में): गुड नाइट पापा। पापा: गुड नाइट बेटा। लड़की परेशान होकर बोली: अरे गुड नाइट कहां है? मच्छर काट रहे हैं।

डॉक्टर (मरीज़ की पत्नी से): आपके पति को बहुत ज्यादा आराम की जरूरत है, ये लो नींद की गोलियां। पत्नी: उन्हें ये कब देनी हैं? डॉक्टर: ये उनके लिए नहीं, आपके लिए है।

दरोगा: तुमने हवलदार की जेब में माचिस क्यों जलाई? बिल्लू: बसर, हवलदार साहब ने कहा था, अगर जेल नहीं जाना चाहता तो जेब गर्म कर, मैंने माचिस जला दी।

साइकिल वाले ने एक आदमी को टक्कर मार दी और बोला भाईसाहब आप बहुत किस्मत वाले हो। आदमी: एक तो तूने मुझे टक्कर मारी और ऊपर से मुझे किस्मत वाला कह रहे हो? साइकिल वाला: आज छुट्टी है तो साइकिल चला रहा हूं नहीं तो मैं ट्रक चलाता हूं।

कहानी | बकरा, ब्राह्मण और तीन ठग

किसी गांव में सम्भुदयाल नामक एक ब्राह्मण रहता था। एक बार वह अपने यजमान से एक बकरा लेकर अपने घर जा रहा था। रास्ता लंबा और सुनसान था। आगे जाने पर रास्ते में उसे तीन ठग मिले। ब्राह्मण के कंधे पर बकरे को देखकर तीनों ने उसे हथियाने की योजना बनाई। एक ने ब्राह्मण को रोककर कहा, पंडित जी यह आप अपने कंधे पर क्या उठा कर ले जा रहे हैं। यह क्या अनर्थ कर रहे हैं? ब्राह्मण होकर कुत्ते को कंधों पर बैठा कर ले जा रहे हैं। ब्राह्मण ने उसे झिड़कते हुए कहा, अंधा हो गया है क्या? दिखाई नहीं देता यह बकरा है। पहले ठग ने फिर कहा, खैर मेरा काम आपको बताना था। अगर आपको कुत्ता ही अपने कंधों पर ले जाना है तो मुझे क्या? आप जानें और आपका काम। थोड़ी दूर चलने के बाद ब्राह्मण को दूसरा ठग मिला। उसने ब्राह्मण को रोका और कहा, पंडित जी क्या आपको पता नहीं कि उच्चकुल के लोगों को अपने कंधों पर कुत्ता नहीं लादना चाहिए। पंडित उसे भी झिड़क कर आगे बढ़ गया। आगे जाने पर उसे तीसरा ठग मिला। उसने भी ब्राह्मण से उसके कंधे पर कुत्ता ले जाने का कारण पूछा। इस बार ब्राह्मण को विश्वास हो गया कि उसने बकरा नहीं बल्कि कुत्ते को अपने कंधे पर बैठा रखा है। थोड़ी दूर जाकर, उसने बकरे को कंधे से उतार दिया और आगे बढ़ गया। इधर तीनों ठग ने उस बकरे को मार कर खूब दावत उड़ाई।

सीख: किसी झूठ को बार-बार बोलने से वह सच की तरह लगने लगता है। अत: अपने दिमाग से काम लें और अपने आप पर विश्वास करें।

5 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। अज्ञात भय रहेगा।

वृषभ

शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधन जुटेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। लंब समय से रुके कार्य सहज रूप से पूर्ण होंगे। कार्य की प्रशंसा होगी।

मिथुन

आराम तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। यश बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। नई योजना बनेगी जिसका तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

कर्क

शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं। दु:खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है।

सिंह

आंखों का ख्याल रखें। अज्ञात भय सताएगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन आ सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

कन्या

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी अपरचित पर अतिविश्वास न करें। विवाद से क्लेश होगा। दूसरों के उकसाने में न आएं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे।

तुला

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कुबुद्धि हावी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

वृश्चिक

घर के सदस्यों के स्वास्थ्य व अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा।

धनु

किसी अपने के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। शारीरिक कष्ट संभव है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बेवजह कहासुनी हो सकती है। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यापार में वृद्धि होगी।

कुम्भ

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग परेशानी का कारण रह सकता है। दूसरों के कार्य में दखल न दें। बड़ों की सलाह मानें। लाभ होगा।

मीन

शारीरिक कष्ट संभव है तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

दीपावली पर दस्तक देगी सलमान खान की टाइगर-3

कैटरीना के ठुमके देखने को बेताब फैंस

सलमान खान की पॉपुलर फिल्म टाइगर को फैंस ने बेहद पसंद किया था। वहीं इस फिल्म के पार्ट 2 को भी दर्शकों का खूब प्यार मिला था। अब फिल्म का तीसरा पार्ट टाइगर 3 रिलीज को तैयार है। इस फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म दिवाली के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। वहीं यशराज ने ट्रेलर रिलीज की तारीख का ऐलान कर दिया है। टाइगर 3 वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की ऑरिजनल फिल्म है। यशराज ने अपने सोशल मीडिया पर हाल में ही एक पोस्ट किया है। ट्वीट में उन्होंने लिखा है कि - टाइगर 3 ट्रेलर 16 अक्टूबर को दहाड़ने के लिए तैयार है। टाइगर 3 दिवाली पर सिनेमाघरों में आ रही है। फिल्म हिंदी, तमिल और तेलुगू में रिलीज होगी।

बता दें कि टाइगर 3 का टीजर 27 सितंबर को रिलीज कर दिया गया है। टीजर में सलमान का दमदार लुक दिखाई दिया है। वह टीजर में कहते हैं कि मेरा नाम अविनाश सिंह राठौड़ है। पर आप सबके लिए मैं टाइगर हूं। 20 साल अपना सबकुछ इंडिया की हिफाजत में लगा दिया। अब इंडिया मेरे बेटे को बताएगा कि उसका बाप कैसा था।

ये स्टार्स आएंगे नजर

टाइगर 3 में बड़ी स्टार कास्ट नजर आने वाली है। फिल्म में सलमान खान, कैटरीना कैफ, इमरान हाशमी नजर आने वाले हैं। फिल्म में इमरान नेगेटिव किरदार में नजर आने वाले हैं। फिल्म को मनीष शर्मा ने डायरेक्ट किया है। वहीं टाइगर 3 में शाहरुख खान पठान बनकर कैमियो रोल में दिखाई देंगे।

तमन्ना की वजह से मैं भी लाइमलाइट में रहने लगा : विजय

विजय वर्मा और अभिनेत्री तमन्ना भाटिया अपने रिश्ते के एलान के बाद से ही फैंस का खासा ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। कपल के जरिए रिश्ते को ऑफिशियल करने के बाद से पैपराजी भी इनकी हर एक एक्टिविटी पर नजरें गड़ाए हुए हैं। तमन्ना और विजय के बाहर निकलते ही पैपराजी इन्हें घेर लेते हैं। इसी को लेकर विजय वर्मा ने बड़ा बयान दिया है। साथ ही रिश्ते में आने के बाद पैप स्थिति को लेकर चौंकाने वाली बात कहते नजर आए हैं। विजय ने बताया कि कैसे वह अपने दम पर काफी अच्छा कर रहे थे, लेकिन जैसे ही उन्होंने तमन्ना के साथ बाहर निकलना शुरू किया, पैप स्थिति थोड़ी बढ़ गई। विजय ने कहा, यही वह जगह है जहां लोगों का दिमाग खराब हो गया। मैं इसे नियंत्रित नहीं कर सका, और कई बार वे सीधे मेरे दरवाजे पर आ जाते थे और उससे पहले मेरी बिल्डिंग में कोई नहीं आता

था। मैं अंधेरी के इस अलग-थलग हिस्से में रहता हूं, ताकि किसी को पता न चले कि मैं कहां रहता हूं। मैं नहीं चाहता कि आप सभी मेरे घर के बाहर हो।

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा ने अपने एंथोलॉजी प्रोजेक्ट लस्ट स्टोरीज 2 के प्रचार के दौरान अपने रिश्ते की पुष्टि की थी। एक पिछले इंटरव्यू में विजय वर्मा ने तमन्ना भाटिया के साथ अपने संबंध पर सुर्खियों के बारे में खुलकर बात की थी। अभिनेता ने साझा किया था, यह बहुत विनम्र और बहुत अच्छा है, लेकिन जब यह पहली बार हुआ तो मुझे इसकी आदत नहीं थी। मुझे अकेले घूमने की बहुत आदत थी। हम एक साथ बाहर जाते हैं और हमें बहुत अधिक अटैंशन मिलता है। मैं विशेष रूप से सहज नहीं हूं, लेकिन मैं बस इसकी आदत डालने की कोशिश कर रहा हूं।

काम के मोर्चे पर, विजय वर्तमान में नेटफ्लिक्स थ्रिलर जाने जां में नजर आ रहे हैं। सुजॉय घोष निर्देशित इस फिल्म में करीना कपूर, जयदीप अहलावत और पंकज सचदेवा भी हैं। इस रहस्य-थ्रिलर फिल्म की कहानी जापानी उपन्यास द डिवोशन ऑफ द सस्पेक्ट एक्स पर आधारित है। विजय वर्मा के पास होमी अदजानिया की मर्डर मुबारक भी है।

बॉलीवुड | मन की बात

बरेली एयरपोर्ट पर रिजर्व लाउंज में जाने से रोकने पर छलका नीना गुप्ता का दर्द

नीना गुप्ता, 64 की उम्र में भी पर्दे पर खासा एक्टिव हैं। अभिनेत्री को काम के साथ-साथ अपने स्टाइल और सोशल मीडिया पोस्ट से भी लाइमलाइट बटोरते देखा जाता है। नीना हाल ही में बरेली में थीं। हालांकि, एयरपोर्ट पर इंतजार करते समय उन्हें रिजर्व लाउंज में प्रवेश करने से रोक दिया गया। घटना को लेकर नीना ने एक वीडियो शेयर करते हुए लोगों का ध्यान इस मामले की ओर दिलाया। साथ ही एयरपोर्ट अथॉरिटी पर गुस्सा निकालती नजर आई हैं। नीना गुप्ता ने एयरपोर्ट से एक वीडियो जारी करते हुए कहा, मैं बरेली एयरपोर्ट से बोल रही हूं। ये लो रिजर्व लाउंज है, जहां जाकर मैं एक बार बैठी थी। लेकिन आज मुझे अंदर नहीं जाने दिया गया। मुझे लगा कि ये रिजर्व लाउंज वीआईपी लोगों के लिए है। मुझे लगा कि मैं वीआईपी हूं, पर अभी तक वीआईपी नहीं बनी। बहुत मेहनत करनी पड़ेगी वीआईपी बनने के लिए। अच्छा है, मेहनत करुंगी और वीआईपी बनने के लिए। थैंक यू सो मच। नीना गुप्ता के वीडियो से साफ हो रहा है कि उन्हें बरेली एयरपोर्ट के रिजर्व लाउंज में बैठने नहीं दिया गया। हालांकि, वह पहले उस लाउंज में जा चुकी हैं। दिग्गज अभिनेत्री का यह वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। फैंस, नीना का समर्थन करते हुए एयरपोर्ट अथॉरिटी पर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। एक यूजर ने क्लिप पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा है, आपकी ईमानदारी के लिए आप हमेशा वीआईपी हो। दूसरे ने लिखा है, नीना जी, आप जानती हो कि आप क्या हो। इन लोगों को नहीं पता कि सही लोगों की कैसे वैल्यू की जाती है। आपको उनके इवैल्यूएशन की जरूरत नहीं। काम के मोर्चे पर, नीना की वेब सीरीज चार्ली चोपड़ा एंड द मिस्ट्री ऑफ सोलंग वैली सितंबर के आखिरी हफ्ते में सोनी लिव पर रिलीज हुई थी। उन्होंने नसीरुद्दीन शाह, रत्ना पाठक और अन्य दिग्गजों के साथ स्क्रीन स्पेस साझा किया। सीरीज में वामिका गब्बी ने मुख्य किरदार निभाया। नीना ने लस्ट स्टोरीज 2 में भी अभिनय किया। आने वाले दिनों में नीना, अनुराग बसु की मेट्रो इन दिनों में नजर आएंगी। नीना गुप्ता इन दिनों सुपरहिट वेब सीरीज, पंचायत के तीसरे सीजन पंचायत 3 की शूटिंग कर रही हैं। इस शो में अभिनेत्री महिला सरपंच की भूमिका में हैं।

ये है दुनिया का अनोखा देश, जहां बारिश ठंडी, गर्मी के अलावा होते हैं 72 मौसम

दुनिया में प्रमुख तौर पर 4 मौसम होते हैं। वसंत, ग्रीष्म, शरद और सर्दी। भौगोलिक स्थिति की वजह से मौसमों में भी परिवर्तन आता रहता है। कहीं पर सिर्फ गर्मी या बरसात पड़ती है, वहीं किसी जगह पर सिर्फ ठंड पड़ती है। हिन्दी कैलेंडर में 6 मौसमों का जिक्र है- वसंत, ग्रीष्ण, वर्षा, शरद, हेमंत, और शिशिर। चीनी कैलेंडर में 24 मौसम हैं, पर आपको जानकर हैरानी होगी कि दुनिया में एक ऐसा भी देश है, जहां 1-2 नहीं, पूरे 72 मौसम हैं। सालभर ये अलग-अलग मौसम यहां के लोगों पर असर डालते हैं। चलिए आपको इस देश के बारे में बताते हैं। इस देश का नाम है जापान। जापानी कैलेंडर 72 मौसमों में बंटा हुआ है। यूं तो जापानी कैलेंडर में वही 4 मौसम हैं, जिनके बारे में हम जानते हैं। पर सारे मौसम 6 भागों में बंटे हुए हैं, जो 24 सेक्की बनाते हैं। ये सब-सीजन 15 दिन लंबे होते हैं। ये पीरियड प्राचीन चीनी ल्यूनीसोलर कैलेंडर पर आधारित है। ये समय नापने का एक तरीका था जिसमें साल को चांद के फेज पर और धरती के सूर्य के चक्कर लगाने के ऊपर आधारित है। ये 24 सेक्की यानी मौसम '3 को' में बांटे जाते हैं, जो कुल '72 को' बनते हैं। यहां 'को' का अर्थ है माइक्रो सीजन। एक 'को' 5 दिनों का होता है। ये मौसम जापान के इकोसिस्टम को संगीत के लय की तरह दर्शाते हैं। ये प्रत्येक मौसम उस समय की प्राकृतिक दुनिया में होने वाली वास्तविक घटनाओं से संबंधित होते हैं, जैसे बांस के अंकुर फूटना, और गेहूं का पकना। ऐसे में जापान में ये माना जाता है कि कुछ ही दिन में नया मौसम आ जाता है जो नए मौके लेकर आता है। जापानी के माइक्रो सीजन मूल रूप से छठी शताब्दी के मध्य में कोरिया से अपनाए गए थे। प्रत्येक माइक्रो सीजन को दिए गए नाम मूल रूप से उत्तरी चीन में जलवायु और प्राकृतिक परिवर्तनों से लिए गए थे। 1685 में, राज्य के एक खगोलशास्त्री शिबुकावा शुनकाई ने नामों को संशोधित करने और उन्हें अपने मूल जापान की स्थानीय जलवायु और प्रकृति के साथ अधिक सटीक रूप से संरेखित करने का बीड़ा उठाया। यह संशोधित कैलेंडर 1873 तक उपयोग में रहा, जब मीजी सरकार ने आधुनिकीकरण की खोज में पारंपरिक कैलेंडर प्रणाली को समाप्त कर दिया और पश्चिमी सौर-आधारित ग्रेगोरियन कैलेंडर को अपनाया। हालांकि, आज भी किसान, मछुआरे, जैसे लोग जापान में पुराने कैलेंडर को मानते हैं। ये हैं 24 मौसमों के नाम, 3-3 माइक्रो सीजन में हैं बंटे- जापान के 24 सेक्की यानी मौसम इस प्रकार हैं-रिशुन, उसुई, केचित्सु, शुनबुन, सेमी, कोकू, रिक्का, शोमन, बोशू, गेशी, शोशो (कम गर्मी), तायशो, रिशू, शोशो (पहले से अधिक गर्म), हाकुरो, शुबुन, कानरो, सोको, रित्तो, शोशेत्सु, तायसेत्सु, तोजी, शोकान, दैकान। इन 24 मौसम को 3 भागों में बांटा गया है जिससे कुल 72 मौसम बनते हैं।

अजब-गजब | भारत में इस जगह है अजीबोगरीब परंपरा!

यहां शादी से पहले मां बन जाती हैं औरतें

दिल्ली, मुंबई, जैसे बड़े शहरों में युवाओं का शादी से पहले एक दूसरे के साथ, एक ही घर में रहना काफी आम बात हो चुकी है। इसे लिव-इन रिलेशनशिप कहते हैं। हालांकि, छोटे शहरों में इसे आज भी पाप की तरह देखा जाता है और कई युवाओं को तो अपने घर में इसके बारे में छुपाना भी पड़ता है। अगर बात गांव की हो, तो ऐसी परंपरा के बारे में सुनकर तलवारें तन जाती हैं। पर क्या आप जानते हैं कि भारत में एक जगह ऐसी भी है, जहां लिव-इन रिलेशनशिप में रहना बेहद आम बात है और माता-पिता खुद इसकी इजाजत अपने बच्चों को देते हैं। यही नहीं, यहां औरतें शादी से पहले ही मां भी बन जाती हैं।

हम बात कर रहे हैं राजस्थान और गुजरात में रहने वाली जनजाति गरासिया की। इस जनजाति की परंपरा को करीब से देखने पर आपको मॉडर्न जमाने के लिव-इन रिलेशनशिप की झलक देखने को मिलेगी। इस जनजाति में पुरुष और महिला बिना शादी के साथ रह लेते हैं और महिलाएं शादी से पहले मां भी बन जाती हैं। औरतों को ये हक होता है कि वो अपने मन मुताबिक लड़का चुन सकें। शादी के लिए यहां दो दिनों का गौर मेला लगता है। इस मेले में लड़के-लड़कियां जुटते हैं और अगर उन्हें कोई पसंद आ जाता है तो वो उसके साथ मेले से भाग जाते हैं। फिर वो बिना शादी

किए ही एक दूसरे के साथ रहने लगते हैं। इस दौरान उनका बच्चा भी हो सकता है जो उनके इच्छा के मुताबिक ही होता है। तब वो अपने गांव लौटते हैं और माता-पिता धूमधाम से उनकी शादी करवाते हैं। वो चाहें तो बिना शादी किए भी रह सकते हैं।

इस जनजाति में लिव-इन में रहने की प्रथा सालों पुरानी है। माना जाता है कि सालों पहले इस जनजाति के 4 भाई कहीं और जाकर रहने लगे। इनमें से 3 लोगों ने भारतीय तौर-तरीकों से शादी की पर एक भाई शादी किए बिना ही किसी लड़की के साथ लिव-इन में रहने लगा। उन तीनों भाइयों की कोई संतान नहीं हुई पर चौथे भाई की संतान पैदा हुई। बस तब से ही यहां लिव-इन में रहने की परंपरा शुरू हो गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार गरासिया औरतें अगर चाहें तो दूसरे मेले में, पहले पार्टनर के होते हुए, दूसरा पार्टनर भी चुन सकती हैं।

मोदी व शिवराज सरकार पर जमकर बरसीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, कहा-

शिशुपाल रुपी सरकार का अंत करे कृष्णरूपी जनता

» 47 मिनट के भाषण में प्रियंका ने महाभारत के पात्रों का किया उल्लेख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंदौर। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा का मोहनखेड़ा की चुनावी आमसभा में अलग अंदाज नजर आया। 47 मिनट के भाषण में उन्होंने महाभारत के पात्रों का उल्लेख किया। उन्होंने सरकार की तुलना शिशुपाल से की और जनता को कृष्णरुपी बताकर उसका नाश करने को कह। प्रियंका ने श्रीकृष्ण, अर्जून और रुकमणी का भी भाषणों में उल्लेख किया। प्रियंका ने अपने भाषण में 15 से ज्यादा मिनट तक महिलाओं के मुद्दे पर बात की, लेकिन प्रदेश सरकार की लाड़ली बहना योजना का एक बार भी जिक्र नहीं किया।

उन्होंने आदिवासी समाज से उनकी दादी इंदिरा गांधी के पुराने रिश्तों का जिक्र छेड़ा, लेकिन पूरे भाषण में अपनी मां सोनिया गांधी और राहुल गांधी का उल्लेखन नहीं किया। वे केंद्र सरकार के जातिगत जनगणना के विरोध पर भी मुखर नजर आई। महिला आरक्षण पर कहा कि उस बिल का कांग्रेस ने भी समर्थन किया, लेकिन पता चला कि उसका फायदा दस साल बाद होगा। पहले आरक्षण, परिसीमन की प्रक्रिया होगी। आखिर इस तरह की घोषणा का फिर महिला वर्ग को क्या फायदा होगा। मंच पर जब कमल नाथ भाषण देने के लिए खड़े हुए तब बारी बारी से प्रियंका गांधी धार, झाबुआ क्षेत्र के आदिवासी नेतागणों से मिली। पहले उन्होंने हनी बघेल को बुलाया, फिर प्रताप ग्रेवाल, उमंग सिंगार से बात की। प्रवक्ता साधाना भारती ने कहा प्रदेश में कंस मामा के राज में रानी दुर्गावती की बेटियां सुरक्षित नहीं हैं, एक 9 साल की आदिवासी बच्ची के साथ दुष्कर्म का जिम्मेदार कौन? महाकाल की नगरी में दलित बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना का जिम्मेदार कौन? बीते दिनों कटनी में आदिवासी लड़की की नाले में लाश मिली, उसका जिम्मेदार कौन? मोदी जी आप आदिवासी हितेषी हैं तो बताएं कि 3 लाख 22000 पट्टे निरस्त क्यों कराए? क्या आप वोट के लिए ही उनका इस्तेमाल करते हैं। भारती ने कहा कि मोदीजी अब जुमलेबाजी बंद कीजिए, अपने मन की बात बंद कीजिए। महिलाओं, बच्चियों पर हो रहे अत्याचार, जन की बात पर ध्यान दीजिए और प्रियंका गांधी की बात को ध्यान से सुनिये। जो आज उन्होंने धार में महिला सशक्तिकरण को लेकर कही है। भारती ने आगे कहा कि उज्जवला योजना का झूठ फिर पकड़ा गया। मप्र में मात्र 15 प्रतिशत उज्जवला योजना के हितग्राही हैं, ऐसी कैसी योजना आपने बनाई, जिसमें 85 प्रतिशत उज्जवला योजना के पात्र दूसरी बार सिलेंडर ही नहीं भरवा सके। राजधानी भोपाल में ही मात्र 30 फीसदी लोग इसका लाभ ले पाए हैं। इसलिए झूठ बोलना बंद कीजिए।

प्रदेश में 18 साल में ढाई सौ से ज्यादा घोटाले

प्रियंका ने घोटालों के मुद्दे पर सरकार को घेरा और कहा कि 18 साल में ढाई सौ से ज्यादा घोटाले प्रदेश में हो चुके है, लेकिन अफसरों पर ईडी एक्शन नहीं लेती। प्रियंका ने भाजपा की प्रदेश सरकार पर निशाना साधा और दूसरे राज्यों में कांग्रेस की सरकार की खूबियां भी गिनाई।

पीएम मोदी प्रधानमंत्री कम प्रचारमंत्री ज्यादा : साधना

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जबलपुर दौरे पर जमकर प्रहार किया। कांग्रेस की ओर से राष्ट्रीय प्रवक्ता साधना भारती ने भोपाल में सवाल उठाते हुए कहा कि आज हमारे प्रधानमंत्री मोदी जबलपुर में सभा को संबोधित कर रहे थे। वीरांगना रानी दुर्गावती की शहादत को नमन कर रहे थे। परंतु रानी दुर्गावती के वंशजों के साथ अर्थात आदिवासियों के साथ जिस तरह का बर्बारतापूर्ण बर्ताव उनकी डबल इंजन की सरकार के अंतर्गत मप्र में हो रहा है, उस पर एक शब्द भी क्यों नहीं बोले? मोदी जी प्रधानमंत्री कम और भाजपा के प्रचार मंत्री की भूमिका ज्यादा निभाते हैं, आरएसएस की कठपुतली बन कर जुमलों से लोगों को बहलाते हैं।

युवा कांग्रेस अध्यक्ष विक्रांत बोले- प्रदेश में कांग्रेस की लहर

इंदौर। प्रदेश की 36 आदिवासी सीटों पर आदिवासी स्वाभिमान यात्रा निकालने वाले प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष विक्रांत भूरिया का मानना है कि प्रदेश में इस बार कांग्रेस की लहर है और जनता का आक्रोश भाजपा सरकार के प्रति नजर आ रहा है। इस बार कांग्रेस की सरकार बनना तय है। जनता ने समझ लिया है जिन्होंने बाबा महाकाल को नहीं छोड़ा, महाकाल लोक बनाने में 50 प्रतिशत कमिशन लिया। वे जनता को लूटने में कमी नहीं रखेंगे। आदिवासी समाज के मुद्दे पर विक्रांत बोले कि प्रदेश में आदिवासियों पर अत्याचार की घटनाएं लगातार हो रही है। सीधी का पेशाब कांड हो या नीमच में आदिवासी को गाड़ी से बांधने का मामला। इस तरह की कई घटनाएं प्रदेश में रुकने का नाम नहीं ले रही है इनमें भाजपा के लोगों के नाम आ रहे है। घोटाले के मुद्दे पर विक्रांत बोले कि प्रदेश में पटवारी घोटाले हुआ। अयोग्य लोगों से पैसे लिए गए। भाजपा नेतागणों के कॉलेज में परीक्षा में धांधली कर अच्छे नंबरों से उन्हें पास कराया गया। जिन लोगों को नहीं पता कि मध्य प्रदेश की राजधानी क्या है, वे लोग टॉप टेन में आ गए। प्रदेश में योग्य लोगों का शोषण हो रहा है। यह माहौल देखकर जनता मन बना चुकी है कि वह इस बार कांग्रेस का साथ देगी।

आरबीआई ने नहीं बढ़ाई रेपो रेट, 6.5 फीसद की दर बरकरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति ने त्यौहारों के पहले एक बार फिर लोगों को बड़ा तोहफा दिया है। लगातार चौथी बार रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद कहा, सभी प्रासंगिक पहलुओं पर विस्तृत विचार-विमर्श के बाद मौद्रिक नीति समिति ने सर्वसम्मति से रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने का फैसला किया है।

आरबीआई गवर्नर ने कहा है कि सितंबर महीने में महंगाई में कमी आने की उम्मीद है। आरबीआई गवर्नर ने कहा है कि रेपो रेट में बढ़ोतरी का असर अर्थव्यवस्था पर दिख रहा है। आरबीआई गवर्नर के अनुसार महंगाई की ऊंची दर अर्थव्यवस्था के लिए खतरा है। गवर्नर के अनुसार एमपीसी के छह में से पांच सदस्य अकोमोडेटिव रुख बरकरार रखने के पक्ष में रहे। एमपीसी के सभी सदस्यों को दरों को स्थिर रखने के पक्ष में सहमति दी है। आरबीआई गवर्नर ने अपने संबोधन में कहा कि सरकारी खर्चे से निवेश की रफ्तार में तेजी आई है। वित्तीय वर्ष 24 की दूसरी तिमाही में वृद्धि दर का अनुमान 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा गया है। तीसरी तिमाही के लिए भी विकास दर का अनुमान 6प्रतिशत पर ही अपरिवर्तित रखा गया है। इस दौरान आरबीआई गवर्नर ने कहा है कि पॉलिसी दरों के लंबे समय तक ऊंची दरों पर बने रहने का अनुमान है।

फर्जी दस्तावेज से नौकरी पाने वाले सात शिक्षक बर्खास्त

» सीबीआई जांच को एलजी वीकेसक्सेना ने दी मंजूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के सहायता प्राप्त स्कूल में फर्जी दस्तावेज की मदद से नियुक्ति पाने वाले सात टीजीटी और पीजीटी शिक्षकों को उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने बर्खास्त कर दिया है। साथ ही उनकी नियुक्ति की सीबीआई जांच की सिफारिश को मंजूरी दे दी है। इस संबंध में सतर्कता निदेशालय (डीओवी) ने प्रस्ताव एलजी को भेजा था।

सतर्कता निदेशालय की जांच में शिक्षा निदेशालय और दिल्ली तमिल एजुकेशन एसोसिएशन (डीटीईए) के अधिकारियों की मिलीभगत से शिक्षकों की नियुक्ति की बात सामने आई थी। वर्ष 2022 में 51 उम्मीदवारों को विभिन्न पदों पर नियुक्त किया गया। इसमें टीजीटी और पीजीटी पदों के लिए सातों को चयनित किया गया था। इन्होंने फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र जमा किए। शिक्षा विभाग के नियमों और शर्तों के अनुसार, स्कूल प्रबंधन को चयनित उम्मीदवारों के सभी प्रमाणपत्रों को सत्यापित करना आवश्यक था।

मामले में प्रबंधन ने लापरवाही बरतते हुए इन उम्मीदवारों के अनुभव प्रमाणपत्रों को ठीक से सत्यापित नहीं किया। शुरुआती जांच में तीन अभ्यर्थियों के अनुभव प्रमाण पत्र फर्जी पाए गए। वहीं शेष चार उम्मीदवार के अनुभव प्रमाण पत्र संबंधित स्कूलों से सत्यापित किए गए थे, लेकिन चारों दस्तावेजी साक्ष्य नहीं दे पाए।

जांच के बाद मुख्य सचिव ने जाली दस्तावेज के आधार पर नौकरी हासिल करने वाले कर्मचारियों को बर्खास्त करने का प्रस्ताव दिया। डीओवी ने मामले में आपराधिक मामला दर्ज करने के अनुरोध के साथ सीबीआई में शिकायत दर्ज कराई।

सिक्किम में बाढ़ से अब तक 21 की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गंगटोक। सिक्किम में आई बाढ़ में सात सैनिकों सहित कम से कम 21 लोग मारे गए हैं। गौरतलब है कि इस बाढ़ में भारतीय सेना के 23 जवान भी लापता हुए थे। फिलहाल अभी भी 15 जवानों की तलाश जारी है। इस बीच, भारतीय सेना उत्तरी सिक्किम में फंसे नागरिकों और पर्यटकों को भोजन, चिकित्सा सहायता और संचार सुविधा प्रदान कर रही है।

» 100 से ज्यादा अभी भी लापता

बाढ़ के बाद सड़कें और अन्य जगह पर गाद भर गए हैं। उनको भी साफ करने का काम जारी है। अगर मौसम ने साथ दिया तो फंसे हुए पर्यटकों का निकालने का काम शुरू किया जा सकता है। गुवाहाटी में रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र सिंह रावत ने बताया कि भारतीय सेना के लापता जवानों की तलाश जारी है। तलाशी का ध्यान तीस्ता बैराज के निचले इलाकों में केंद्रित है। सिंगताम के पास बुरडांग में घटना स्थल पर सेना के वाहनों को खोदकर निकाला जा रहा है। खोज अभियान में सहायता के लिए टीएमआर (तिरंगा माउंटेन रेस्क्यू), ट्रैकर कुत्तों, विशेष रॉडार की टीमों के अलावा अतिरिक्त संसाधन लाए गए हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम फाइनल में, पदक पक्का

» एशियाई खेलों में भारत को अब तक 87 पदक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हांगझोऊ। भारतीय क्रिकेट टीम ने एशियाई खेल 2023 के फाइनल में जगह बना ली है। सेमीफाइनल में भारत ने बांग्लादेश को नौ विकेट से हराया। इसके साथ ही टीम इंडिया ने फाइनल में जगह बना ली है और कम से कम रजत पदक पक्का कर लिया है। फाइनल में भारत का सामना अफगानिस्तान और पाकिस्तान के मैच के विजेता से होगा। इस मैच में बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 96 रन बनाए।

टीम इंडिया ने एक विकेट खोकर 97 रन बनाए और मैच अपने नाम किया। खिताब के प्रबल दावेदार भारत ने शुक्रवार को यहां सेमीफाइनल में बांग्लादेश को नौ विकेट से रौंदकर पुरुष क्रिकेट के फाइनल में जगह बनाकर पदक सुनिश्चित किया। भारतीय कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया और गेंदबाजों ने इसे सही साबित करते हुए बांग्लादेश को 20 ओवर में नौ विकेट पर 96 रन के स्कोर पर रोक दिया। भारत ने इसके जवाब में 9.2 ओवर में एक विकेट पर 97 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की।

भारतीय टीम पहली बार महाद्वीपीय खेलों की इस स्पर्धा में हिस्सा ले रही है। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने पहले ओवर में ही यशस्वी जायसवाल का विकेट गंवा दिया जो खाता भी नहीं खोल पाए। कप्तान और सलामी बल्लेबाज गायकवाड़ (26 गेंद में नाबाद 40, चार चौके, तीन छक्के) और तिलक वर्मा (26 गेंद में नाबाद 55, दो चौके, छह छक्के) ने इसके बाद 97 रन की अटूट साझेदारी करते हुए भारत को आसान जीत दिला दी।

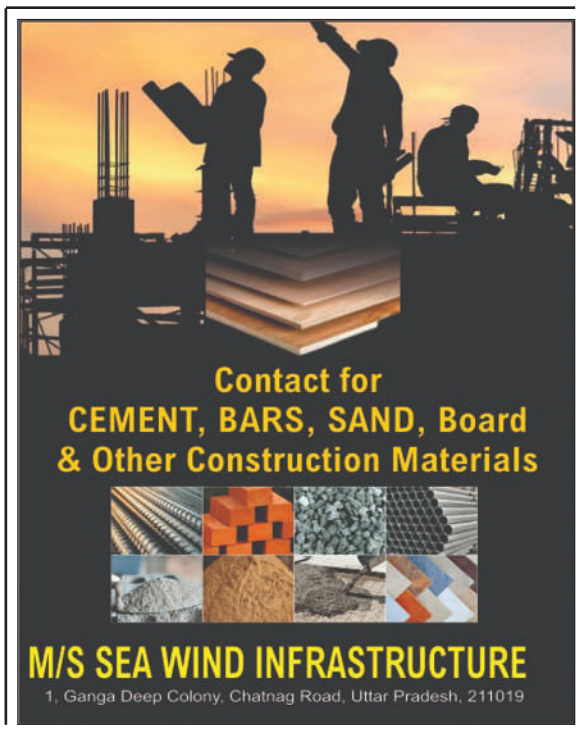

यूपी में कानून-व्यवस्था चरमराई

कानपुर देहात में देवरिया जैसी खूनी वारदात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। यूपी में अपराध कम होने का नाम ही नहीं ले रहा है। सीएम योगी की सारी मेहनत के बाद भी प्रदेश की पुलिस राज्य की कानून व्यवस्था को संभाल नहीं पा रही है। अभी देवरिया की जघन्य हत्याकांड की सुर्खियां खत्म भी नहीं हुई कि कानपुर देहात में भी देवरिया जैसी घटना सामने आ गई है। यहां जमीनी विवाद को लेकर गजनेर थाना क्षेत्र में गुरुवार रात एक पक्ष ने लाठी, डंडों और कुल्हाड़ी से परिवार पर हमला कर दिया। इसमें छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। कानपुर के हैलट अस्पताल में इलाज के दौरान एक वृद्ध की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में तनाव को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

लाठी-डंडों और कुल्हाड़ी से परिवार पर हमला, एक की मौत और पांच घायल

एसपी बीबीजीटीएस मूर्ति समेत अन्य अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर छानबीन शुरू की है। गजनेर थाना क्षेत्र के शाहजहांपुर निनायां निवासी रामवीर विश्वकर्मा को सरकारी आवास मिला था। गांव में एक जमीन पर उसने आवास निर्माण के लिए सामग्री उतरवाई थी। इसी जगह पर गांव के मोहन शुक्ला ने गुरुवार शाम लोडर खड़ा कर जमीन को अपना बताना शुरू कर दिया। शाम को विवाद के बाद मामला शांत हो गया। रात 11 बजे के करीब मोहन शुक्ला व उसके परिवार के लोगों ने चारपाई डालकर सो रहे रामवीर पर हमला कर दिया। मारपीट की जानकारी पर रामवीर के बड़े भाई सत्यनारायण व परिजन पहुंचे। बीच बचाव करने में हमलावरों ने सत्यनारायण, रामवीर की पत्नी मधु, बेटी काजल, बेटे बीनू, सोनू को लाठी डंडों व कुल्हाड़ी से हमलाकर घायल कर दिया। चीखपुकार सुन गांव के लोग पहुंचे, तो हमलावर मौके से भाग निकले। परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर घायलों को इलाज के लिए कानपुर के हैलट अस्पताल में भर्ती कराया। यहां शुक्रवार तड़के सत्यनारायण (70) की मौत हो गई। जमीनीं विवाद को लेकर हत्या किए जाने की जाने की जानकारी पर एसपी बीबीटीजीएस मूर्ति, एएसपी राजेश पांडेय पुलिस बल के साथ पहुंचे। गांव से कई लोगों को हिरासत में लेकर पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

लोडर खड़ा करने को लेकर हुआ था विवाद

एसपी बीबीजीटीएस मूर्ति ने बताया कि जिस जगह पर रामवीर आवास बनवाने के लिए निर्माण सामग्री डाल रखी थी। उसी जगह पर लोडर खड़ा करने को लेकर मोहन शुक्ला से विवाद हुआ। मारपीट में सत्यनाराण की मौत हुई है। अन्य घायलों का इलाज चल रहा है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम दबिश दे रही हैं। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

नशा करके आए थे हमलावर

पुलिस जांच में पता चला है कि रामवीर से विवाद करने पहुंचे लोग नशे की हालत में थे। गांव के कुछ लोगों ने विवाद करने से मना किया। मगर कुछ देर बाद एकजुट होकर पहुंचे लोगों ने हमला कर परिवार के छह लोगों को मरणासन्न कर दिया। एसपी ने हमलावरों की नशे की हालत में होने की बात कही है। एसपी ने बताया कि रामवीर की हालत नाजुक है, जबकि बेटा व एक बेटी गंभीर रूप से घायल है।

देवरिया हत्याकांड में आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट तमंचों व धारदार हथियार से किए गए थे वार

देवरिया जिले में फतेहपुर के लेहड़ा टोले में सत्यप्रकाश दुबे और उनके परिवार के दो अन्य सदस्यों की हत्या गोली मारकर की गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, इनमें से दो को राइफल और एक को तमंचों से गोलियां बरसाकर मौत के घाट उतारा गया था। वहीं, परिवार के दो अन्य सदस्यों की हत्या धारदार हथियार से वार कर की गई थी। अब पुलिस के लिए हत्याकांड में प्रयुक्त असलहों की बरामदगी चुनौती बनी हुई है। इन असलहों की बरामदगी और उनकी बैलेस्टिक रिपोर्ट आरोपियों को दोष सिद्ध करने में अहम कड़ी साबित होगी। वहीं, इनसे घटना में और लोगों की भूमिका भी स्पष्ट हो सकेगी। पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रेम यादव की पत्नी शीला के अनुसार, घटना के दिन सुबह किसी का फोन आने पर पति बाइक से निकले थे। वहीं, घटनास्थल से सत्यप्रकाश दूबे और उनके परिजनों के मोबाइल भी बरामद नहीं किए जा सके हैं।बताया जा रहा है कि दरवाजे पर प्रेम यादव की मौत के बाद सत्यप्रकाश दूबे के परिजनों ने पुलिस और सगे संबंधियों को घटना की सूचना दी थी। इसके कुछ देर बाद ही आक्रोशित भीड़ सत्यप्रकाश के दरवाजे पर पहुंच गई और पांच लोगों की हत्या कर दी गई।

फोटो : 4 पीएम

आक्रोश अपनी कई मांगों को लेकर एकेटीयू छात्रों ने विधानसभा गेट नंबर-8 के पास प्रदर्शन किया। जिन्हें बाद में पुलिस ने बस में बिठाकर रमाबाई स्थल भेज दिया।

मुंबई : बिल्डिंग में लगी आग, दो बच्चों समेत सात की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई के गोरेगांव इलाके में शुक्रवार तड़के एक आवासीय इमारत में आग लगने से दो बच्चों समेत 7 लोगों की मौत हो गई और 40 अन्य घायल हो गए। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

बीएमसी के एक अधिकारी ने कहा कि आग जय भवानी भवन में तड़के तीन बजे लगी। सात मंजिला यह इमारत गोरेगांव पश्चिम के आजाद नगर इलाके में स्थित है। अधिकारी ने कहा कि आग से प्रभावित लोगों को जोगेश्वरी में एक ट्रॉमा सेंटर में और जुहू के कूपर अस्पताल ले जाया गया। नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि दो बच्चों और दो महिलाओं सहित 7 लोगों को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों का दोनों अस्पतालों में उपचार किया जा रहा है। नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि दमकल विभाग को आग पर काबू पाने में करीब चार घंटे लगे।

घायलों को पूरी मदद मिलेगी : फडणवीस

गोरेगांव, मुंबई में आग लगने की घटना में जानमाल के नुकसान के बारे में जानकर दुख हुआ। हम बीएमसी और मुंबई पुलिस अधिकारियों के संपर्क में हैं और सभी सहायता प्रदान की जा रही है। उन परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

अमृतसर: दवा की फैक्ट्री में आग से महिला समेत चार कर्मचारी जिंदा जले

अमृतसर। अमृतसर में मजीठा रोड स्थित कालिटी फार्मास्युटिकल फैक्टरी में गुरुवार को आग लग गई। फार्मास्युटिकल फैक्टरी में हुई आगजनी की घटना में एक किशोर और एक महिला समेत चार कर्मियों की मौत हो गई। वहीं फैक्टरी में आग लगते ही हड़कंप मच गया। अंदर काम करने वाले कर्मचारियों को जहां से रास्ता मिला, वहां से बाहर निकल गए। फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने करीब आधा दर्जन गाड़ियों की मदद से देर रात आग पर काबू पाया। इसके बाद आग में फंस कर मौत का शिकार हो चुके किशोर कुलविंदर सिंह, रानी, सुखजीत सिंह तथा गुरभेज सिंह के शव बाहर निकाले गए। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

एक बूंद रक्त से एक नहीं कई जान बचाई जा सकती हैं : सीएम योगी

ब्लड डोनेशन के लिए ट्रांसकॉन मील का पत्थर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सीएम योगी ने शुक्रवार को लखनऊ में इंडियन सोसायटी ऑफ ब्लड ट्रांसफ्यूजन एंड इम्यूनोहिमैटोलॉजी की 48वीं वार्षिक कॉन्फ्रेंस-2023 का शुभारंभ किया। करीब डेढ़ दशक बाद राजधानी में हो रहा इस वर्कशॉप में देशभर से 250 से ज्यादा टॉप डॉक्टर्स शामिल हो रहे हैं।

इस दौरान सीएम ने अपने संबोधन में कहा कि ब्लड डोनेशन की पहल के लिए यह ट्रांसकॉन मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने ब्लड ट्रांसफ्यूजन के क्षेत्र में टेक्नोलॉजी के प्रयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि करीब 2 दशक पहले तक एक यूनिट ब्लड से सिर्फ एक मरीज को फायदा मिलता था। आज एक यूनिट ब्लड से अलग-अलग कम्पोनेंट निकाल कर कई जिंदगियां बचाई जा रही हैं। ब्लड डोनेशन पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि आज देश में प्रतिदिन डेढ़ करोड़ यूनिट ब्लड की मांग है। इस सापेक्ष ब्लड बैंक में करीब 25 लाख यूनिट मौजूद है। इसलिए इस दिशा में ध्यान देने की जरूरत है। सीएम ने कहा कि काल के शुरुआत में उत्तर प्रदेश में कोविड संबंधी कोई बेड ही नहीं था। पर बाद में प्रयासों की बदौलत फ्रंटलाइन वर्कर्स ने बढ़ चढ़कर कार्य किया, परिणाम स्वरूप हमने उत्तर प्रदेश में मृत्यु दर न्यूनतम रखने में सफल रहे। कोविड काल खंड में अगर यूएस से तुलना करें तो भारत में संक्रमण दर कम थी और मृत्यु दर भी कम थी, इससे जागरूकता,और प्रबंधन दोनों का पता चलता है। केजीएमयू देश के पुराने चिकित्सा संस्थानों में से एक है, यहां की प्रतिदिन की ओपीडी ही दुनिया के कई देशों की आबादी होगी, इन्हें स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध करवाना भी बड़ी चुनौती होती है। इस तरह के सेमिनार से लोगों में अवेयरनेस बढ़ेगा।

फोटो : सुमित कुमार

स्कूलों में हो सेमिनार

सीएम ने कहा कि ब्लड डोनेशन के लिए गांव, शहर स्कूलों मे सेमिनार होने चाहिए,आज जब ये ट्रांसकॉन हो रहा है। इसी के साथ प्रदेश मे सेवा पखवाड़ा भी सम्पन्न हो रहा है। इस सेवा पखवाड़ा मे एक कार्यक्रम ब्लड डोनेशन कैम्प का भी था। केवल इसी कार्यक्रम के माध्यम से ही प्रदेश भर मे करीब तीस हजार यूनिट ब्लड डोनेट करवाकर और उन्हे संरक्षित किया गया। सीएम ने डेलिगेट्स से लखनऊ से डेढ़ किलोमीटर दूर अयोध्या घूमने की भी बात कही।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।